04 - ट्रूडो के जाने के बाद भारत- कनाडा संबंधों की दिशा

05 - अपने सिनेमा मित्र के लिए अभूतपूर्व जीवन जीने वाले फिल्मकार

A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025

06 - सुधाकर बने बैतूल भाजपा जिला अध्यक्ष

07 - एम्स में सांस्कृतिक महोत्सव रेटिना का आयोजन

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 108, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

स्पेस रेस : क्या जेफ बेजोस, एलन मस्क का मुकाबला कर पाएंगे?

स्रोत सारा इब्राहिम और हीथर शार्प

जेफ़ बेज़ोस की ब्लू ओरिजिन स्पेस कंपनी अपने न्यू ग्लेन रॉकेट को फ़्लोरिडा के केप कैनावरल स्पेस फ़ोर्स स्टेशन से अंतरिक्ष में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। सोमवार को तकनीकी समस्याओं के कारण इस लॉन्च को स्थगित कर दिया गया था, लेकिन उम्मीद है कि अमेजॉन संस्थापक की कंपनी आने वाले दिनों में इसे फिर से लॉन्च करेगी।

यह ऐसे समय में हो रहा है जब एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने एक के बाद एक कई सफलताएं अर्जित की हैं, जिसमें पिछले साल वह रॉकेट लॉन्च भी शामिल है जिसमें स्टारशिप रॉकेट को दोबारा लॉन्च पैड में सुरक्षित उतारकर कंपनी ने इतिहास रच दिया था। स्पेसएक्स ऐसा करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई। दिलचस्प है कि दोनों अरबपतियों की प्रतिद्वंद्वी स्पेस कंपनियां 20 साल पहले स्थापित की गईं थीं।

स्पेसएक्स ने हाल के सालों में ख़ासी बढ़त हासिल की है, लेकिन अगर न्यू ग्लेन का लॉन्च सफल होता है तो इस अंतर को वह कितना कम कर पाएगी? स्पेसएक्स ने 2008 में अपना फ़ाल्कन 1 रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया था और 2012 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक सामान पहुंचाया था। इसने अब तक फ़ाल्कन 9 रॉकेट की 400 से अधिक लॉन्चिंग की है, जिसमें अंतरिक्ष में सैटेलाइट ले जाने से लेकर अंतरिक्ष यात्रियों और सामानों को आईएसएस तक पहुंचाना भी शामिल है।

ब्लू ओरिजिन ने अपने न्यू शेपार्ड रॉकेट की 28 उड़ानें लॉन्च की हैं, इनमें नौ में यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाया गया (कक्षा में नहीं)। अभी तक इसने अंतरिक्ष कक्षा में कोई अंतरिक्षयान नहीं भेजा है। दोनों ही कंपनियां नियंत्रित लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले रॉकेट बूस्टर बनाने में अग्रणी हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रा की लागत काफ़ी कम हो जाने का रास्ता खुलता है।

स्पेसएक्स ने दो बड़े अंतरिक्ष यान विकसित किए हैं- फ़ाल्कन हैवी, जोकि अभी इस्तेमाल में है और दूसरा स्टारशिप जोकि अब तक का बना सबसे बड़ा और शक्तिशाली अंतरिक्ष यान है। स्टारशिप की तीन परीक्षण उड़ानें हो चुकी हैं और कुछ एक में विस्फोट भी हुए हैं। अक्टूबर 2024 में चॉपस्टिक्स कौशल से लॉन्चिंग पैड पर रॉकेट को दोबारा लैंड कराने वाली स्पेसएक्स दुनिया की पहली कंपनी बन गई थी। इस तकनीकी करतब में स्टारशिप का निचला हिस्सा उसी लॉन्च पैड पर दोबारा लौटा जहां से इसे छोड़ा गया था और विशाल मेकैनिकल आर्म्स ने इसे हवा में ही थाम लिया था।

ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन फ़ाल्कन हैवी से बड़ा है, लेकिन स्टारशिप से छोटा है। न्यू ग्लेन का बूस्टर वाला हिस्सा इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि उसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। लॉन्चिंग के बाद, योजना यह है कि बूस्टर बाकी रॉकेट से अलग हो जाएगा और बेज़ोस की मां के नाम पर रखे गए एक विशेष पोत जैकलिन पर लैंड करेगा। इस पोत को अटलांटिक महासागर में रखा गया है।

हालांकि ब्लू ओरिजिन ने यह स्पष्ट किया है कि उसकी उम्मीदें सीमित हैं, लेकिन ये भी कहा है कि पहले लॉन्च में सफल लैंडिंग 'सोने पर सुहागा' होगा। ब्लू ओरिजिन के स्पेस टूरिज़्म प्रोग्राम 18 साल के सबसे युवा अंतरिक्ष यात्री ओलिवर डैमेन और 90 साल के सबसे बुज़ुर्ग अंतरिक्ष यात्री एड ड्वाइट को अंतरिक्ष की सैर करा चुका है।

इसके साथ ही विज्ञान गल्प शो 'स्टार ट्रेक' के एक्टर विलियम शैटनर और खुद मिस्टर बेज़ोस को भी अंतरिक्ष में ले जा चुका है। मस्क एक्स (पूर्व में ट्विटर), टेस्ला और स्पेसएक्स के बॉस हैं और दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति हैं। उनका कहना है कि अपने अस्तित्व को बचाने के लिए इंसानी प्रजाति को 'कई ग्रहों पर रहने' के क़ाबिल होना चाहिए और मंगल ग्रह पर इंसानी कॉलोनी बनाए जाने के अपने विज़न के बारे में काफ़ी कुछ बोल चुके हैं। 2016 में अपनी योजनाओं का खाका खींचते हुए उन्होंने कहा था, 'एक वास्तविक वैचारिक प्रतिबद्धता वाले किसी व्यक्ति के बिना, ऐसा नहीं लगता था कि हम अंतरिक्ष यात्री सभ्यता बनने के किसी रास्ते पर थे।'

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजॉन के संस्थापक जेफ़ बेज़ोस, एक जनवरी की फ़ोर्ब्स की सूची के अनुसार, दुनिया के दूसरे धनी व्यक्ति हैं। बेज़ोस ने 2021 में अमेज़ॉन के सीईओ के पद से इस्तीफ़ा दे दिया था ताकि ब्लू ओरिजिन पर अधिक ध्यान दे सकें। उन्होंने पहले कहा था कि उनका मक़सद है कि 'अंतरिक्ष तक रास्ता बनाया जाए ताकि हमारे बच्चे और उनके बच्चे भविष्य बना सकें। यहां पृथ्वी पर मौजूद समस्याओं को हल करने के लिए हमें इसे करने की ज़रूरत है।'

ब्लू ओरिजिन का कहना है कि 'इसकी स्थापना इस विज़न के साथ की गई कि पृथ्वी के फ़ायदे के लिए लाखों लोग अंतरिक्ष में रहें और काम करें।' लेकिन इन अरबपतियों की अंतरिक्ष होड़ की कुछ लोग आलोचना भी करते रहे हैं और इसे पैसे का बेजा इस्तेमाल बताते हैं जिसे जलवायु परिवर्तन और वैक्सिनेशन जैसी समस्याओं पर खर्च करना बेहतर होता।

माइक्रोसॉफ़्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स ने अपने जीवन का एक लंबा समय दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में बिताया है।

उन्होंने 2023 में कहा था, 'असल में मंगल तक जाना बहुत अधिक खर्चीला है।' आप खसरे का टीका ख़रीद सकते हैं और हर 1000 डॉलर (86,569 रुपये) में एक ज़िंदगी बचा सकते हैं। 'यह एक तरह से बताता है कि आप मंगल पर न जाएं।'

लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में अंतरिक्ष अनुसंधान की नैतिकता और राजनीति के मामले में एक्सपर्ट डॉ. जिल स्टुअर्ट कहती हैं, 'अभी यह ब्लू अरिजिन के लिए एक अहम पड़ाव है। एक क़ामयाब लॉन्चिंग कंपनी में भरोसे को बढ़ाएगा, जोकि इस समय उसके लिए बहुत ज़रूरी है क्योंकि स्पेसएक्स के मुक़ाबले यह बहुत पिछड़ चुकी है।' इसके अलावा एक मुख्य होड़ भी है, शायद इस बात पर न हो कि कौन सबसे बड़ा रॉकेट दाग सकता है, बल्कि कौन सरकारी ठेके हासिल करता है।

डरहम यूनिवर्सिटी में एस्ट्रो पॉलिटिक्स में एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. ब्लेडीन बॉवेन के अनुसार, 'अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष यात्रा में अभी भी सरकारी खर्च का बहुत बड़ा हिस्सा है और निजी कंपनियां मुख्य रूप से सरकारी ठेके पाने की होड़ कर रही हैं। दोनों अरबपतियों का, सार्वजनिक तौर पर एक-दूसरे को चुनौती देने का एक लंबा इतिहास रहा है। उदाहरण के लिए साल 2021 में ब्लू ओरिजिन ने नासा मून लैंडिंग यान के लिए 2.9 अरब डॉलर का ठेका मस्क के स्पेसएक्स से हारने के बाद अमेरिकी सरकार पर मुकदमा कर दिया था। हालांकि यह मुकदमा ब्लू ओरिजिन कंपनी हार गई लेकिन बाद में उसे चांद पर लैंडिंग का ठेका मिल गया।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

केंद्र सरकार ने 8वां वेतन आयोग बनाने की दी मंजूरी

- 2026 से लागू होगा, श्रीहरिकोटा में 3985 करोड़ में तीसरा सैटेलाइट लॉन्च पैड बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। इस आयोग की सिफारिशें साल 2026 से लागू होगा। यह जानकारी कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा- सातवां वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था, इसकी सिफारिशें 2026 तक जारी रहेंगी। श्री हरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड को मंजूरी केंद्र सरकार ने श्री हरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड को भी मंजूरी दी है। फिलहाल फैसिलिटी में 2 लॉन्च पैड हैं।

जहां मोदी पढ़े, उस स्कूल का 72 करोड़ से रेनोवेशन

- अमित शाह ने वड़नगर में प्रेरणा स्कूल का किया उद्घाटन
- यहां ओलंपिक स्तर का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बनाया गया

मेहसाणा (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृहनगर वडनगर में हैं। गुरुवार सुबह उन्होंने यहां बन रहे म्यूजियम के काम का जायजा लिया और फिर प्रेरणा स्कूल के कैंपस का उद्घाटन किया। यह वही स्कूल है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1962 से 1967 तक 8वीं से 11वीं कक्षा तक पढ़ाई की थी। अब इसी स्कूल को प्रेरणा स्कूल के नाम से जाना जाता है। आज यह स्कूल एक हेरिटेज साइट बन गया है। वडोदरा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड ने साल 1888 में यह स्कूल बनवाया था। स्कूल का जीर्णोद्धार करके इससे संरक्षित किया गया है। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह स्कूल चर्चा में आया था। जब वे प्रधानमंत्री बने तो गुजरात सरकार ने इसे मॉडल स्कूल के तौर डेलवप कर इसे प्रेरणा केंद्र बनाने का फैसला किया था। अब केंद्रीय शिक्षा विभाग ने यहां पर देश भर से छात्रों के स्टडी टूर को लेकर ऑनलाइन पोर्टल लांच किया है। इस स्कूल में देश भर से बच्चे पढ़ाई करने आ रहे हैं। यहां पर पढ़ाई के साथ खाने और रहने की भी सुविधा उपलब्ध है। 15 जनवरी 2024 से अब तक देश के 410 जिलों के 820 स्टूडेंट्स यहां का दौरा कर चुके हैं। इसमें 6 प्रदेशों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दमन के स्टूडेंट्स शामिल हैं।

उद्यमशीलता के माध्यम से भारत को पुनः सोने की चिड़िया बनाएंगे : मुख्यमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव : 32,520 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त, 30 हजार से अधिक का होगा रोजगार सृजन

शहडोल कॉन्क्लेव में उद्योगपति और निवेशकों ने दिखाई विशेष रूचि

भोपाल/शहडोल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उद्यमशीलता के माध्यम से भारत को पुनः सोने की चिड़िया बनाएंगे। वर्ष 2014 में जब मोदी जी की सरकार बनी थी, भारत की अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौतियां थीं। भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। हमने अपनी आंतरिक शक्तियों, अनंत संभावनाओं को पहचाना और आज हम आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में भी तेज गति से विकास हो रहा है। हमारा मध्यप्रदेश 9 करोड़ का परिवार है और आने वाले 5 वर्षों में हम अपनी जीडीपी को दोगुना करने वाले हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगपति हमारी 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की सनातन संस्कृति को चरितार्थ करते हैं। जिस प्रकार एक योद्धा युद्ध में देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देता है उसी प्रकार एक उद्यमी कई परिवारों का भला करता है। यदि हम सभी अपनी-अपनी भूमिका को ठीक ढंग से निभाएं तो सभी का कल्याण होगा और देश तरक्की करेगा। अपने लिए जिए तो क्या जिए, तू जी ए दिल जमाने के लिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरलता, सुगमता के साथ व्यापार व्यवसाय हमारी औद्योगिक नीति है। राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। हम उद्योगों को सहकार, सहयोग और सम्मान देते हैं। राज्य में औद्योगिक श्रमिकों की कोई परेशानी नहीं है। पर्यटन, आईटी सेक्टर और रेडीमेड गारमेंट्स आदि क्षेत्रों में उद्योगों को विशेष इंसेंटिव दिए जाते हैं।

रेडीमेड गारमेंट्स में 200 प्रतिशत तक मदद दी जाती है और 10 वर्ष तक 5 हजार रूपये प्रति मजदूर इंसेंटिव भी दिया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एक-एक युवा को उसकी योग्यता और दक्षता के अनुरूप रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ समय में 6 रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित किये गए हैं, जिनमें 04 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया है, और इनके माध्यम से 3 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मध्यप्रदेश में 24 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को तलाशते हुए, सभी विभाग अपनी नीतियां बना रहे हैं, जो शीघ्र ही तैयार हो जाएंगी। प्रदेश में नव उद्यमिता (स्टार्ट्सअप) को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने स्टार्ट्सअप दिवस की सभी को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि हमारे लिए विकास का अर्थ केवल भौतिक अधोसंरचना का विकास नहीं है, हम समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गरीब, युवा, महिला और किसानों के कल्याण के लिए मिशन प्रारंभ किया है, जिस पर हम तेजी से कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि शहडोल, अनूपपुर, उमरिया क्षेत्र धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, परंतु इस क्षेत्र का विकास कहीं न कहीं रुका हुआ था। अब इनके विकास का समय आया है, आगामी वर्षों में यहां सर्वांगीण विकास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में संतुलित विकास की दिशा में कदम बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश की सातवीं रीजनल इंडस्ट्रीज कान्क्लेव 'अपार संभावनाओं की भूमि' शहडोल में आयोजित हुई है। उद्योगपतियों द्वारा यहां अपने अनुभव साझा किये गये है। मध्यप्रदेश की अग्रसर औद्योगिक नीति और अनुकूल औद्योगिक वातावरण से यहां निवेश के निरंतर प्रस्ताव प्राप्त हो रहे है, जो कि हमारी प्रगतिशील औद्योगिक नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है शहडोल को एक औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना जो के केवल मध्यप्रदेश नहीं अपितु पूरे देश का औद्योगिक केन्द्र बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैं सभी उद्योगपतियों और निवेशकों का धन्यवाद ज्ञापित करता हू जिन्होंने इस कान्क्लेव में शामिल होकर क्षेत्र में निवेश करने की रूचि दिखाई है। राज्य सरकार उद्योगपतियों और निवेशकों हर संभव सहायता और सहयोग करेगी, जिससे इस क्षेत्र का समग्र विकास हो सकें। - **शेष पेज 2 पर**

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव नागरिकों में उत्साह : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन से शहडोल के नागरिकों में उत्साह और रोमांच का संचार हुआ है। ऐसा आयोजन, जो अब तक केवल बड़े शहरों तक सीमित रहता था, आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी सोच और प्रदेश के समग्र विकास के संकल्प के कारण संभाग स्तर में संभव हो पाया है। इस कॉन्क्लेव में देशभर से उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और क्षेत्र के विकास में अपनी सहभागिता की इच्छा व्यक्त की। शहडोल संभाग और समूचा विंध्य क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। यहाँ माँ नर्मदा का आशीर्वाद है, कोयले का अपार भंडार है, और पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसरों का विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नेतृत्व क्षमता और उनके विज़न के कारण इस क्षेत्र में अब औद्योगिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

सुप्रभात

बात कुछ भी न रही याद
तेरी बात के बाद
हो गयी सूनी गली जैसे कि
बारात के बाद।
अब न मिलना है
किसीसे न कहीं जाना है
कौन जाता है कहीं ख़ुद से
मुलाक़ात के बाद।
हर कोई ख़ौफज़दा सहमा
हुआ सा है यहाँ
हो गया भुतहा मेरा शहर
फसादात के बाद।
इस क़दर मैं रहा बेचैन
बिछड़ कर तुझसे
नींद उड़ जाये है जैसे कि
बीच रात के बाद।
मात खाकर भी मैं दुश्मन
से तो फिर लड़ने लगा
उठ सका मैं नहीं अपनों से
मिली मात के बाद।
याद आयी जो किसी की तो
यह दिल झूम उठा
जैसे महकी हो जमीं
रमझिमी बरसात के बाद।
कौन हूँ, क्या हूँ मेरी जात
मेरा मजहब क्या
चल दिया बज़्म से मैं ऐसे
सवालात के बाद।

– दिनेश मालवीय 'अश्क'

इसरो ने रचा इतिहास : अंतरिक्ष में जोड़ दीं दोनों सैटेलाइट

ऐसा करने वाला चौथा देश बना भारत, मिली बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को एक बार फिर से इतिहास रच दिया। इसरो ने एसडीए (स्पेस डॉकिंग एक्सरसाइज) मिशन के तहत दो सैटेलाइट को सफलतापूर्वक डॉक करने की प्रक्रिया पूरी कर ली। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने 'डॉकिंग' में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है।'' इसरो ने कहा, '''डॉकिंग' के बाद एक वस्तु के रूप में दो सैटेलाइट पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया भी सफल रही। आने वाले दिनों में 'अनडॉकिंग' और 'पावर ट्रांसफर' का परीक्षण किया जाएगा।''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ''उपग्रहों की अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' के सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे अंतरिक्ष समुदाय को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।'' इससे पहले इसरो ने दो बार डॉकिंग का प्रयास किया था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण 7 और 9 जनवरी को यह संभव नहीं हो सका। 12 जनवरी को इसरो ने सैटेलाइट को 15 मीटर और 3 मीटर की दूरी तक लाने में सफलता हासिल की थी। इसरो ने कहा था,15 मीटर और फिर 3 मीटर तक की दूरी को सफलतापूर्वक तय किया गया है। इसके बाद सैटेलाइट्स को सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। डेटा का विश्लेषण करने के बाद डॉकिंग प्रक्रिया पूरी की जाएगी। स्पेडेक्स मिशन को इसरो ने 30 दिसंबर, 2024 को लॉन्च किया था।

झारखंड में चार महीने में कराने होंगे अब नगर निकाय चुनाव

हाईकोर्ट का सख्त आदेश, चुनाव नहीं कराने पर नाराजगी

रांची (एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को चार महीने में नगर निकायों के चुनाव कराने का आदेश दिया है।

रोशनी खलखो और अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर गुरुवार को हुई सुनवाई में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी और नगर विकास सचिव सुनील कुमार सशरीर उपस्थित रहे। कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग को निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए अपडेट वोटर लिस्ट राज्य निर्वाचन आयोग को देने का निर्देश दिया है। साथ ही मुख्य सचिव को अगली सुनवाई में उपस्थित होने से छूट भी दी है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 17 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बीजेपी की तर्ज पर साईंनगरी में मंथन करेंगे अजित पवार

18 और 19 जनवरी को जुटेंगे एनसीपी के सभी बड़े नेता

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बीजेपी के पदचिन्हों पर चलेगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का दो दिवसीय 'नवसंकल्प शिविर' अब शिरडी में आयोजित होगा। बीजेपी ने राज्य में महाजीत के बाद साईंनगरी में ही अपना अधिवेशन रखा था। इसमें पार्टी ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के नाम का ऐलान किया था। एनसीपी

ने पहले छत्रपति संभाजीनगर में इस शिविर को आयोजित करने की तैयारी की थी। अब पार्टी ने जगह में बदलाव करने के साथ राज्य के बड़े ओबीसी नेता और पूर्व मंत्री छगन भुजबल को शांत करके मनाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। छगन भुजबल येवला से विधायक हैं। यहां से शिरडी की दूरी सिर्फ 32 किलोमीटर हैं। ऐसे में चर्चा हो रही है कि क्या छगन भुजबल अपनी नाराजगी छोड़ेंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा है कि 77 साल के हमारे सीनियर लीडर छगन भुजबल को नवसंकल्प शिविर में शामिल होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी बीमारी से एक और बच्ची की मौत

मरने वालों की संख्या 15 हुई इसमें से 12 बच्चे, सरकार ने एसआईटी बनाई

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बधाल गांव में बुधवार रात को 9 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। राजौरी जिले में रहस्यमय बीमारी मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जिसमें 12 बच्चे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मौतों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। बधाल गांव में 7 से 16 दिसंबर 2024 के बीच 2 परिवारों के 9 सदस्यों की मौत हुई थी। इसके बाद 11 जनवरी को मोहम्मद असलम के 6

बच्चे बीमार हुए, जिनमें से 4 की मौत हो गई थी। 12 जनवरी को 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई थी। जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य मंत्री सकीना मसूद ने बधाल गांव में हुई इन मौतों की वजह रहस्यमय बीमारी होने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के अंदर और बाहर किए गए सभी जांच के रिजल्ट नेगेटिव आए हैं। मंत्री सकीना मसूद ने कहा कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले पूरी जांच होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे जिला विकास आयुक्त और सीनियर पुलिस अधीक्षक से लगातार संपर्क में हैं। मृतकों के नमूनों में न्यूरोटॉक्सिन मिला हालांकि कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मृतकों के नमूनों में न्यूरोटॉक्सिन पाए जाने की बात कही है। मंत्री ने कहा अगर ये मौतें किसी बीमारी के कारण हुई होतीं तो ये तेजी से फैल जाती।

कुंभ के रंग प्रयागराज में चल हरे महाकुंभ में सबसे छोटा श्रद्धालु। भस्म लगाए ये छोटा बच्चा काफी खुश दिख रहा है। सनातन की ये परंपरा आज न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया देख रही है।

40 विदेशी साधु-संत कर रहे सनातन धर्म का प्रचार

डॉक्टर से लेकर इंजीनियर तक शामिल, कैंप में मौजूद हैं 9 महामंडलेश्वर

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में एक अनूठा दृश्य देखने को मिल रहा है। सेक्टर 17 स्थित मुक्तिधाम कैंप में विदेशी मूल के करीब 40 साधु-संत सनातन धर्म का प्रचार कर रहे हैं। जगद्गुरु साईं मां लक्ष्मी देवी मिश्रा के इस कैंप में अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, जापान समेत कई पश्चिमी देशों से आए संत एकजुट होकर भजन-कीर्तन कर रहे हैं। कैंप में मौजूद नौ महामंडलेश्वरों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इन विदेशी महामंडलेश्वरों की खास बात यह है कि वे अपनी-अपनी विशेषज्ञता के साथ सनातन धर्म का प्रचार कर रहे हैं। इनमें पीएचडी धारक, मनोवैज्ञानिक, संगीतकार और

इंजीनियर जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इनकी उम्र 40 से 75 वर्ष के बीच है। जगद्गुरु साईं मां लक्ष्मी देवी मिश्रा को 2007 के प्रयागराज अर्धकुंभ में वैष्णव साधु समाज द्वारा जगद्गुरु की उपाधि मिली। 2019 के कुंभ मेले में उनके नौ विदेशी ब्रह्मचारियों को अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़े में पहली बार महामंडलेश्वर के रूप में दीक्षित किया गया। इस महाकुंभ में साईं मां के नेतृत्व में विभिन्न देशों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अमृत स्नान में भी हिस्सा लिया। साईं मां का जन्म मॉरीशस में हिंदू परिवार में हुआ था। जगद्गुरु साईं मां लक्ष्मी देवी मिश्रा, स्वामी बालानंदाचार्य द्वारा 1477 ईस्वी में स्थापित अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़ा से संबंधित हैं।

बिगड़ेगा मौसम, बारिश बढ़ाएगी ठंड

● राजस्थान-दिल्ली समेत 6 राज्यों में बारिश, घाटी में बर्फबारी ● यूपी में ठंड के चलते 3 दिन स्कूल बंद, कोहरे से 29 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार सुबह से 4 जिलों अनंतनाग, पुंछ, भद्रवाह और डोडा में बर्फबारी हो रही है। कुफरी, नारकंडा, लाहौल घाटी, सोलंग नाला, शिमला, भरमौर और मनाली में भी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के कारण गुरेज-बांदीपुरा, सेमथान-किश्तवाड़ रोड बंद कर दिया गया। पहलगाम, श्रीनगर, काजीकुंड, कोकेरनाग और गुलमर्ग में तापमान माइनस में रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का अलर्ट दिया जारी किया है। मौसम विभाग ने कल के लिए राजस्थान के जयपुर, भरतपुर और कोटा समेत 6 जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, हिमाचल, दिल्ली और उत्तराखंड में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ठंड के चलते उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 8 लोगों की मौत हो गई। ठंड के चलते

8वीं तक के स्कूल 18 जनवरी तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली में गुरुवार रात से जारी बारिश के कारण सुबह का तापमान 10 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हालांकि कोहरे और लो विजिबिलिटी के कारण 29 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ में मौसम अपडेट के लिए वेबपेज लॉन्च किया है। यह प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, आगरा, कानपुर और वाराणसी सहित पड़ोसी शहरों के लिए प्रति घंटा, तीन घंटे और साप्ताहिक पूर्वानुमान देता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी की वजह से मध्यप्रदेश में मौसम फिर बदला हुआ है। सिस्टम के गुजरने के बाद 17 जनवरी से ठंड का असर फिर बढ़ जाएगा। 18 जनवरी से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होगा, जो पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करेगा।

कटारे, मैनेज होकर पत्रकार वार्ताएं करते हैं: पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह

पूर्व गृहमंत्री ने कटारे के आरोपों को सिरे से खारिज किया

भोपाल/ सागर। पूर्व गृहमंत्री, वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कांग्रेस के नेता हेमंत कटारे द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हेमंत कटारे जी मैनेज होकर पत्रकार वार्ताएं करते हैं उसके कई उदाहरण है। पूर्व मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि मेरे परिवहन मंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल में सौरभ शर्मा कभी भी मेरे विधानसभा क्षेत्र के चेकपोस्ट पर पदस्थ नहीं रहा। अगर कभी उसकी पोस्टिंग मालथौन चेकपोस्ट पर रही है तो हेमंत कटारे जी उसका आदेश व तारीख बताएं। यदि ये प्रमाणित करदें तो मैं राजनीति से सन्यास ले लूंगा, मैं हेमंत कटारे जी पर मानहानि का केस करूंगा।

पूर्व मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि, मैं हेमंत कटारे जी से पूछना चाहता हूं कि ऐसी कौनसी नोटशीट है जिसमें मैनें सौरभ शर्मा की नियुक्ति के लिए अनुशंसा, सिफारिश या अनुमोदन किया हो। यह तो बहुत दूर की बात है, मैने विचार करने के लिए भी लिखा हो तो वह नोटशीट बताएं। उन्होंने कहा कि क्या पत्रकार वार्ता करके हेमंत कटारे जी सौरभ शर्मा व किसको को बचाना चाहते हैं जब जांच एजेंसियां जांच कर रहीं हैं, तब पत्रकार वार्ता का क्या औचित्य है। जांच में सब सामने आएगा। पूर्व मंत्री श्री सिंह ने बताया कि हेमंत कटारे जी मैनेज होकर पत्रकार वार्ताएं करते हैं, यह कई मामलों में सिद्ध हो चुका है। विधानसभा में पहले जो आरोप लगाते हैं बाद में उसी के समर्थन में पत्र लिखते हैं। श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि हेमंत कटारे जी ने सुधीर शर्मा पर आरोप लगाया बाद में खंडन किया। उन्होंने विपक्ष में रहकर सरकार के खिलाफ जो भी विषय उठाए उनमें बाद में उन्होंने क्या-क्या किया, कैसे मैनेज हुए यह हेमंत कटारे बताएं। श्री सिंह ने कहा कि हेमंत कटारे जी स्वयं एक महिला पत्रकार के साथ बलात्कार करने के आरोपी रहे हैं जिसमें एफएसएल जांच में बलात्कार को किस तरह पॉजिटिव से नेगेटिव कराया गया, यह कहानी भी मैं बताउंगा।

बाल-बाल बचे सैफ अली खान, घर में घुसकर हमला

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया गया है। घटना मुंबई के खार स्थित गुरु शरण अपार्टमेंट के 12वें फ्लोर पर बुधवार देर रात करीब डेढ़ बजे हुई। इस हमले में एक्टर को गले, पीठ, हाथ और सिर समेत 6 जगह चाकू लगा था। सैफ को रात 2 बजे लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया था। लीलावती अस्पताल के डॉ. नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ की रीढ़ की हड्डी में चाकू का टुकड़ा फंसा था और फ्लूड भी लीक हो रहा था। सर्जरी करके इसे निकाला गया है। एक्टर के बाएं हाथ पर दो गहरे घाव थे और गर्दन पर भी गहरी चोट थी। इनकी प्लास्टिक सर्जरी की गई है। अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मुंबई पुलिस के डीसीपी गेदाम

रीढ़ की हड्डी में फंसा था चाकू का टुकड़ा, हाथ-कंधे की भी सर्जरी हुई

दीक्षित ने बताया कि एक हमलावर की पहचान कर ली गई है। वह सीढ़ियों से अपार्टमेंट में दाखिल हुआ था। सैफ अली खान पर हमला करने वाला सीसीटीवी फुटेज में दिखा है। उसे बिल्डिंग की छठी मंजिल पर देखा गया। यहीं सैफ अली खान का अपार्टमेंट है। हमलावर ने भागने के लिए सीढ़ियों का इस्तेमाल किया। पुलिस ने घर में जबरन घुसने और हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। एक्टर के घर मौजूद मेड समेत 3 को पूछताछ के लिए ले जाया गया पुलिस ने बताया कि सैफ के घर से 3 लोगों को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। इनमें हमले में घायल हुई हाउसकीपर भी शामिल है। शुरुआती जांच में पता चला कि घर के अंदर मौजूद किसी शख्स ने ही हमलावर को एंट्री दी। घर में कोई जबरदस्ती नहीं घुसा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये घटना सैफ-करीना के बच्चों तैमूर-जेह के कमरे की है। कमरे में उनकी हाउसकीपर अरियामा फिलिप उर्फ लीमा मौजूद थी, जिसे एक अज्ञात शख्स ने पकड़ लिया।

अमेरिका ने 3 भारतीय परमाणु संस्थाओं से हटा लिया प्रतिबंध

● 20 साल से लगा था प्रतिबंध, अमेरिकी एनएसए ने परेशानियां दूर करने की बात कही थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने बुधवार को 3 भारतीय परमाणु संस्थाओं पर 20 साल से लगा प्रतिबंध हटाया। इसमें भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र और इंडियन रेयर अर्थ के नाम हैं। वहीं, अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चाइना की 11 संस्थाओं को प्रतिबंध की लिस्ट में जोड़ा है। यूनाइटेड स्टेट्स ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी ने इसकी पुष्टि की है। अमेरिका का फैसला अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन के 6 जनवरी के हुए भारत दौरे के बाद आया। सुलिवन ने दिल्ली आईआईटी में कहा था कि अमेरिका उन नियमों को हटाएगा जो भारतीय परमाणु संस्थाओं और अमेरिकी कंपनियों के बीच सहयोग में बाधा डाल रहे हैं।

केरल के तटीय इलाकों को धीरे-धीरे लील रहा समंदर

● 1 करोड़ से ज्यादा लोगों पर संकट के बादल ● जमीन को काट रही है समुद्र की लहरें, सिकुड़ता जा रहा किनारा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में अलपुझा के तट पर मछली पकड़ने वाले समुदाय कदलम्मा चटिकिल्ला की एक मान्यता है, समुद्र माता कभी धोखा नहीं देंगी। अब उनका भरोसा टूट रहा है, क्योंकि केरल में समंदर की लहरें रोजाना जमीन को निगल रही हैं। अरब सागर के गर्म होने और तटीय इलाकों में रेत का अवैध खनन सागर का किनारा सिकुड़ रहा है। लहरों के खौफनाक तेवर के कारण लोगों को पुश्तैनी घर छोड़ने को मजबूर होना पड़ा है। मछुआरों के पास ऐसा किनारा नहीं बचा, जहां उनकी नाव खड़ी हो। केरल के 9 तटीय जिलों में 9.3 मिलियन से अधिक लोगों की आजीविका और घरों को कटाव का खतरा मंडरा रहा है। एरियाड, अझिकोड, चेलानम, अंबलप्पुझा, पुरक्कड़, कुझुपिल्ली और वडानापिल्ली जैसे क्षेत्रों में समुद्री किनारे खतरनाक कैटिगरी में पहुंच गए हैं।

● **टूरिज्म और मछुआरों पर पड़ा बुरा असर-** अलप्पड़ के के सी श्रीकुमार ने बता कि 1955 में अझीक्कल से वेल्लानाथुरुथ तक का तटीय क्षेत्र 89 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ था। 2004 तक यह सिकुड़ कर मात्र 7 वर्ग किलोमीटर रह गया था। एक समय था, जब अलप्पड़ में छोटे जहाज लंगर डालते थे, अब ऐसा नहीं होता है। कटान के कारण कई परिवारों को मजबूरन दूसरी जगह जाना पड़ा है, कुछ तो अपने मूल घरों में कभी वापस नहीं लौटे। केरल के समुद्र तट पर पर्यटन से जुड़े कारोबार करने वाले भी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

पेज 1 का शेष

उद्यमशीलता के माध्यम से भारत को पुनः सोने की चिड़िया बनाएंगे : मुख्यमंत्री

102 उद्योगों को 401 एकड़ भूमि आवंटित- वहीं, उद्योगपति ने अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश को लेकर दिलचस्पी दिखाई है। अधिकांश ने उर्जा, खनिज और कृषि क्षेत्र में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है। शहडोल कॉन्क्लेव में आज 102 इकाइयों को 401 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इससे करीब 3561करोड़ रुपए का निवेश होगा। साथ ही 9651 लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही 30 इकाइयों का मौके से ही भूमिपूजन हो गया है। इसमें करीब 572 करोड़ रुपए के निवेश हो रहे हैं।

तीन नए इंडस्ट्रियल एरिया की घोषणा की- इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने तीन नए इंडस्ट्रियल एरिया की घोषणा की है। इसमें ब्यौहारी तहसील अंतर्गत मऊ में 37 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र बनेगा। उमरिया जिले के चंदिया तहसील स्थित लोढ़ा गांव में 12 एकड़ में नया इंडस्ट्रियल एरिया बनेगा। साथ ही अनूपपुर जिले के बरगवां गांव में भी 11 एकड़ में इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया जाएगा।

खनिज संपदा में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य: प्रमुख सचिव उमराव- प्रमुख सचिव खनिज श्री उमाकांत उमराव ने राज्य में खनन और खनिज क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश खनिज संपदा के मामले में देश अग्रणी राज्य है। यह खनन एवं खनिज आधारित उद्योगों के लिए अत्यधिक संभावनाएं प्रदान करता है।

मध्यप्रदेश देश का उभरता आईटी हब: एमडी श्री वशिष्ठ- मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश: द होम टू इमर्जिंग टेक हब्स इन इंडिया पर राज्य में आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम सेक्टर क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाओं पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश को देश का आईटी हब बनाने के लिए राज्य में जीवंत तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र, उद्यमशीलता संस्कृति, सरकारी की नीतियां, तकनीकी रूप से कुशल कार्यबल, व्यवसाय में कम से मध्यम जोखिम, बुनियादी ढांचा और बेहतर कनेक्टिविटी और ईज ऑफ लिविंग और कार्य जीवन संतुलन बेहतर हैं।

टोरंटो करेगा 18 हजार करोड़ का निवेश- टोरंटो पावर 18 हजार करोड़ का निवेश करेगा। 7 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। जेएमएस 350 करोड़ का निवेश करेगा। इससे 550 से ज्यादा लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। टेक्सटाइल क्षेत्र में भी 1200 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला है।

शहडोल में बनेगी रिंग रोड, अनूपपुर में बायपास- सीएम ने कहा कि अभी तक की इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में करीब 4 लाख करोड़ को निवेश मिल चुका है। प्रदेश सरकार होटल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और अस्पताल सभी के लिए सब्सिडी दे रही हैं। सीएम ने इंजीनियरिंग कॉलेज में दूसरे कोर्स और शहडोल में रिंग रोड बनाने की घोषणा की। उन्होंने अनूपपुर में बायपास रोड बनाने का भी ऐलान किया।

सीएम ने वर्चुअली कई उद्योगों का भूमिपूजन किया- सीएम डॉ. मोहन यादव ने सागर, मुरैना, इंदौर, उज्जैन ने वर्चुअल जुड़कर कई उद्योगों का भूमिपूजन किया। उज्जैन से अतिथियों का खुद नाम पढ़कर सीएम ने सभी को संबोधित किया। यूके की कंपनी द्वारा 200 करोड़ के निवेश पर और 1410 लोगों के रोजगार के लिए बधाई दी।

रमणीक पावर के एमडी ने कहा- मुख्यमंत्रीजी, बिजली के दाम करिए- बालाघाट में रमणीक पावर के एमडी हर्ष त्रिवेदी ने कहा कि मध्यप्रदेश में पहले हम 50 करोड़ का इन्वेस्टमेंट लेकर आए थे जिसे हम बढ़ाकर 300 करोड़ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से हम यह तो नहीं कहेंगे कि यहां बिजली नहीं आती, लेकिन हम यह मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री बिजली के दाम कम कर दीजिए।

सीएम के नेतृत्व में बनी इंटरनल कमेटी करती है रिव्यू- प्रमुख सचिव, खनिज संसाधन उमाकांत उमराव ने कहा- मध्यप्रदेश संभावनाओं का प्रदेश है। शहडोल खनिज का संभाग है। 5 लाख किलोमीटर का रोड और 5 हजार किलोमीटर का रेल नेटवर्क हमारे पास है। सीबीएम हम 36 प्रतिशत शहडोल से दे रहे हैं। यहां कोल और लाइम स्टोन की संभावना बहुत ज्यादा है। उद्योगपतियों की कोई समस्या नहीं हो, इसके लिए सीएम के नेतृत्व में एक इंटरनल कमेटी बनी है। जिसका प्रत्येक माह रिव्यू होता है। इनके अलावा जिला स्तर पर भी उद्योगपतियों की समस्या को लेकर कमेटी बनाई गई है।

कॉन्क्लेव में जाने से पहले सीएम ने गौ-पूजन की- रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में जाने से पूर्व सीएम ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा- भारतीय संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य से पूर्व गौ माता के पूजन का विशिष्ट महत्व होता है... आज शहडोल में आयोजित 'रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव' में सहभागिता से पूर्व निवास स्थित गौशाला में जगतजननी गौ माता की सेवा कर प्रदेशवासियों के कल्याण हेतु प्रार्थना की। मैया के आशीर्वाद से अनंत संभावनाओं वाले मध्यप्रदेश में निवेश की वर्षा हो और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प सिद्धि का पथ प्रदर्शित हो, यही प्रार्थना है।

सरकारी जमीन से हटाया अवैध अतिक्रमण

35 से ज्यादा अवैध गैरेजों पर चली जेसीबी; होर्डिंग्स भी हटाए गए

इंदौर (नप्र)। इंदौर में नगर निगम की टीम ने गुरुवार सुबह कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन से अवैध निर्माण हटाया। साथ ही, एयरपोर्ट रोड पर एक अवैध होर्डिंग को भी हटाया। निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ रिमूवल की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को टीम झोन क्रमांक 15 के एमओजी लाइन स्थित स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को आवंटित सरकारी जमीन पर पहुंची। यहां 35 से अधिक कच्चे-पक्के गैरेज मालिकों ने अतिक्रमण कर रखा था। इन सभी को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इस दौरान उपायुक्त लता अग्रवाल, भवन अधिकारी सुनील सिंह जादौन, सहायक यंत्री सौरभ माहेश्वरी, रिमूवल सहायक बबलू कल्याणे और निगम का अमला मौजूद रहा।

होर्डिंग को काटकर हटाया- उपायुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर शहर में अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को एयरपोर्ट रोड पर लगे 15×15 साइज के अवैध होर्डिंग को काटकर हटाया गया।

विधायक हार्डिया, एसडीएम से बोले- पूरे शहर में अवैध निर्माण, सबको हटा दोगे क्या ?

इंदौर में अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम की टीम से नाराज होकर इंदौर 5 विधानसभा सीट के विधायक महेंद्र हार्डिया का एसडीएम से कहासुनी का वीडियो सामने आया है। इसमें विधायक हार्डिया एसडीएम प्रदीप सोनी से कह रहे हैं कि उनसे कलेक्टर भी फोन पर बात कर लेते हैं लेकिन वह (एसडीएम) फोन पर बात तक करने को तैयार नहीं। दरअसल, निगम की टीम बुधवार को जंजीरवाला चौराहा से मालवा मिल के बीच फुटपाथ पर हुए कब्जों को हटाने पहुंची थी। यहां रहवासियों ने पार्षद और एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया को फोन लगाकर बुला लिया। कुछ ही देर में विधायक महेंद्र हार्डिया भी आ गए। इसके बाद उन्होंने एसडीएम सोनी को कॉल किया। वीडियो में दिख रहा है कि विधायक ने अतिक्रमण के लिए जगह चिह्नित करने वाले जोनल अफसर को विवादास्पद बात भी कही है।

बिना कब्जा हटाए लौटी निगम की टीम- हार्डिया ने एसडीएम प्रदीप सोनी को कॉल किया तो उन्होंने फोन अटेंड नहीं किया। इससे विधायक नाराज हो गए। जब सोनी से बात हुई तो उनको खरी-खोटी सुना दी। विधायक हार्डिया के विरोध के बाद आखिरकार निगम की टीम यहां से लौट गई। इसके बाद टीम ने कुछ दूर आगे चलकर जंजीरावाला चौराहे के पास दो-तीन छोटे अवैध कब्जे मुक्त कराए और फिर कार्रवाई रोक दी। निगम अधिकारियों ने तय किया कि गुरुवार को मौके पर जाकर दुकानों के बाहर एक लाइन खींची जाएगी। उसके बाहर सामान रखा या किसी प्रकार का अतिक्रमण किया गया तो उसे सख्ती से हटाया जाएगा।

विधायक बोले- सिलेक्टिव कार्रवाई क्यों कर रहे- इस पूरे मामले में विधायक हार्डिया ने कहा-यदि फुटपाथ पर अतिक्रमण हैं तो निशान बनाकर जनप्रतिनिधि को बताएं। वे खुद हटवाएंगे, लेकिन फुटपाथ के बहाने दुकान अंदर तक तोड़ने की कार्रवाई की जा रही थी। एसडीएम के व्यवहार को लेकर कलेक्टर को शिकायत भी की है। मैं खुद मौके पर गया था। पूरे शहर में अवैध निर्माण हुए हैं, तो क्या सभी हटा देंगे। सिलेक्टिव कार्रवाई क्यों की जा रही है।

तीसरी मंजिल से गिरी 3 साल की बच्ची, मौत

मां छत पर कपड़े सुखा रही थी, खेलते वक्त हादसा, अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर (नप्र)। इंदौर के आजाद नगर में रहने वाली तीन साल की बच्ची की मंगलवार दोपहर घर की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। गंभीर हालत में बच्ची को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज सुबह 4 बजे उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक बच्ची कनक की पहचान सरवन मालवीय की बेटी के रूप में हुई है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, 14 जनवरी दोपहर 2 बजे कनक खेलते हुए बालकनी के पास पहुंच गई और इसी दौरान वह नीचे गिर गई। हादसे के समय बच्ची की मां कविता बालकनी में कपड़े सूखा रही थीं, और उनकी नज़र बच्ची पर नहीं पड़ी, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

पिता ने नहीं कराया पोस्टमॉर्टम

कनक के पिता पेशे से मैकेनिक हैं और परिवार पिछले तीन साल से इंदौर में किराए के मकान में रह रहा था। परिवार में पत्नी, एक छह साल का बेटा कान्हा और कनक के अलावा कोई और सदस्य नहीं है। पिता ने इस हादसे के बाद पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है, शव को एमवाय मॉर्चुरी में रखवाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त कनक के पिता अपने काम पर गए हुए थे, और आसपास के लोगों ने उन्हें घटना की सूचना दी थी। कनक का परिवार यहां किराये से रहता है। वह मूल रूप से आगर जिले के रहने वाले है।

गजासीन शनिधाम इंदौर का तीन दिवसीय स्थापना महोत्सव

17 से 19 जनवरी तक होंगे आयोजन, कई बॉलीवुड हस्तियां होंगी शामिल, 24 घंटे का शनि मंत्र जाप होगा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के उषानगर स्थित गजासीन शनिधाम में 17 से 19 जनवरी तक शनिदेव का 14वां स्थापना महोत्सव मनाया जाएगा। महामंडलेश्वर दादू जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। महोत्सव की शुरुआत 16 जनवरी की रात 12 बजे से होगी, जब 24 घंटों तक अखंड शनि मंत्र जाप किया जाएगा। पहले दिन शनिदेव का विशेष अभिषेक होगा और निःशुल्क आयुर्वेदिक शिविर का आयोजन किया जाएगा। शाम 5 बजे से मुख्य समारोह में बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियां शिरकत करेंगी। रात 8 बजे प्रभु शनिदेव को 56 भोग लगाया जाएगा और महाआरती की जाएगी। 18 जनवरी को श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ होगा और शाम को भव्य पालकी यात्रा निकाली जाएगी। 51 दीपकों से महाआरती की जाएगी। अंतिम दिन यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ समारोह का समापन होगा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध संगीतकार दिलीप सेन, निर्देशक रंजन कुमार सिंह, स्टैंड-अप कॉमेडियन बनवारीलाल, मोटिवेशनल स्पीकर भूपेंद्र सिंह राठौर, अभिनेता कृष्णा भट्ट और मुकुल नाग जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

इंदौर में एडिशनल डीसीपी ने दी फिशिंग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के टिप्स

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सनबीम सोशल वेलफेयर सोसायटी और के.के. कॉलेज ने साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एडिशनल डीसीपी (क्राइम ब्रांच) डॉ. राजेश दंडोतिया ने डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त की। डॉ. दंडोतिया ने बताया कि आजकल साइबर अपराधी निजी जानकारी की चोरी, डेटा हैकिंग, ऑनलाइन बैंक धोखाधड़ी और फिशिंग जैसे तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से फिशिंग घोटालों पर प्रकाश डाला, जिसमें अपराधी ईमेल, कॉल या मैसेज के जरिए लोगों की बैंकिंग डिटेल्स और पासवर्ड चुराने का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए और साइबर हेल्पलाइन नंबर की जानकारी साझा की गई। इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. विनोद कुमार पांडे, श्री नरेंद्र सिंह कुशवाह, डॉ. पवन तिवारी, डॉ. सुमित त्रिवेदी और डॉ. नीतू चौहान का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर प्रो. संजय विज के आभार माना।

पार्षद कालरा के घर हमला करने वाले 5 और पकड़ाए

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पार्षद कालरा के घर पर हमला करने वाले पांच और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। एसआईटी अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को सीहोर के पास से पकड़ा गया। हालांकि, जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने थाने आकर सरेंडर किया था। इससे पहले भी पुलिस ने उन्हें कोर्ट में सरेंडर करने की प्रक्रिया में पहुंचने की कोशिश की थी। जूनी इंदौर पुलिस ने शैलेन्द्र उर्फ पिंटू (36), विशाल (35), गोलू उर्फ अभिजीत (30), धीरज (35), और संतोष को सिहोर के पास एक ढाबे से पकड़ने का दावा किया। जानकारी के अनुसार, इन आरोपियों ने थाने में आकर सरेंडर किया। एक दिन पहले, बंटी नामक आरोपी भी तुकोगंज थाने में सरेंडर कर चुका था, जिसे एसआईटी टीम ने पकड़ा था।

इंदौर आए मशहूर गायक कैलाश खेर

बोले- इंदौर और पूरा मध्यप्रदेश संस्कृति से भीगा हुआ; अपना नया गाना 'चलो कुंभ चले' भी सुनाया

इंदौर (नप्र)। इंदौर की धरती और पूरा मध्यप्रदेश, जिसे मैं 'कल्चरल स्टेट' कहता हूं, यह संस्कृति से भीगा हुआ है। यहां की मानवता और संस्कारिता अलग दिखती है। यह बात कैलाश खेर ने कही। गुरुवार को पद्मश्री गायक कैलाश खेर इंदौर आए। यहां वह मीडिया से रुबरू हुए। दरअसल, कैलाश खैर का महाराष्ट्र में कॉन्सर्ट है, जिसके लिए वे बाय फ्लाइट इंदौर आए थे। मीडिया से बातचीत के बाद वो यहां से बाय रोड महाराष्ट्र के लिए रवाना हुए।झ इंदौर में खेर ने कहा कि 'महाकुंभ संगम' हमारा नया गाना है, जो हर जगह ट्रेंड कर रहा है। कैलाश खेर ने कहा, संगीत सिर्फ मनोरंजन नहीं होता, यह लोगों के हृदय और मन को बदलने की ताकत रखता है। धीरे-धीरे लोग संगीत की इस विशेषता को समझने लगे हैं। ट्रांसप्लांट के बाद भी, जब लोगों में दुख व्याप्त रहता है, तब संगीत उन्हें सहारा देता है। संगीत आपको ध्यानस्थ रखता है। हमारे गाने पर लाखों लोग रील बना रहे हैं।

महाकुंभ की यात्रा है खास- उन्होंने अपने नए गाने चलो कुंभ चले, चलो कुंभ चले को गाकर भी सुनाया। उन्होंने कहा, जितनी भी संतवाणी है, हमारे जितने भी बड़े-बड़े संत हुए हैं, उनका यही संदेश है कि चलते चलो, चलते चलो। महाकुंभ की यात्रा विशेष इसलिए है क्योंकि जब हमारे विशेष ग्रह अपनी विशेष स्थिति में होते हैं, सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है और सभी ग्रह अपनी-अपनी विशेष स्थिति में आते हैं, तो ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा, यह ऊर्जा न केवल शरीर और स्वास्थ्य के लिए बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को संतुलित करने में भी सहायक होती है। इस ऊर्जा में रहकर जब आप स्नान करते हैं, तो जल भी संचारित होता है। इसे हम चार्ज कहते हैं। गंगाजी और यमुनाजी भी इस ऊर्जा से चार्ज होती हैं। उसमें डुबकी लगाने से आप चार्ज हो जाते हैं। पाप से मुक्ति का मतलब है कि आप तन, मन, बुद्धि और आत्मा से शुद्ध हो जाते हैं। जब मन एकाग्र होता है, तो आप पाप नहीं, बल्कि पुण्य करते हैं।

भारत भाग्य और सौभाग्य के लिए जाना जाता है

उन्होंने आगे कहा, आपके मन को बदलने के लिए परमात्मा की ऐसी ऊर्जा संचारित होती है कि आप पावन अवसर पर इकट्ठे होकर स्नान करते हैं, ध्यान करते हैं, अनुष्ठान करते हैं और दान करते हैं। यही हमारी परंपरा और संस्कृति है। इस बार का महाकुंभ विशेष इसलिए है क्योंकि 144 साल बाद यह घड़ी आई है, जिसमें हम सभी को परमात्मा की अनुकंपा प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। इतना बड़ा उत्सव हो रहा है। करोड़ों लोग रोज डुबकी लगा रहे हैं। भारत को भाग्य और सौभाग्य के लिए जाना जाता है।

होल्कर कॉलेज के कर्मचारी के यहां 5 लाख की चोरी

सोने-चांदी के जेवर समेत कैश ले गए; सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चोर

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एरोड्रम इलाके में होल्कर कॉलेज के एक स्टाफ कर्मचारी के घर दिनदहाड़े चोरी की वारदात हो गई। कर्मचारी राजन तिवारी, जो नरीमन पॉइंट के निवासी हैं, मंगलवार दोपहर 3 बजे से 6 बजे के बीच डॉक्टर के पास जाने और बाजार का काम निपटाने के लिए घर से बाहर गए थे। इसी दौरान चोरों ने 10 से अधिक सुरक्षा लॉक तोड़कर उनके घर में चोरी को अंजाम दिया। राजन तिवारी के अनुसार, चोर घर की अलमारी से लगभग 5 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण और 90 हजार रुपए नकद चुराकर फरार हो गए। आरोपियों ने वारदात के दौरान घर में लगे डीवीआर को फॉर्मेट कर दिया। हालांकि, पास के एक अन्य ब्लॉक में चोरी करने की कोशिश के दौरान चोर सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गए। पुलिस ने राजन तिवारी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अफसरों से शिकायत के बाद हुई एफआईआर- राजन तिवारी के मुताबिक, 13 तारीख को पुलिस को घटना की जानकारी दी थी, लेकिन पुलिस ने सबूतों की कमी का हवाला देते हुए एफआईआर दर्ज नहीं की।

कोबरा से भी ज्यादा जहरीले सांप का रेस्क्यू

निपानिया के एक घर में निकला, ढाई घंटे दहशत में रहा परिवार

इंदौर (नप्र)। इंदौर के निपानिया में कोबरा से भी ज्यादा जहरीला सांप आ गया। घर के पोर्च में वह गमले के पास बैठा था। जिसे देख परिवार घबरा गया। ये सांप रसेल वाइपर था, जो कोबरा से भी ज्यादा जहरीला होता है। रात में उसका रेस्क्यू हो सका। सांप को तुरंत ही जंगल में भी छोड़ दिया गया।

सर्प मित्र महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि, बुधवार को निपानिया के घर में रसेल वाइपर सांप होने की सूचना मिली। वे मौके पर पहुंचे। जहां सांप घर के बरामदे (पोर्च) में गमले के पास छिप कर बैठा था। परिवार की नजर पड़ी तो उन्होंने उसे देख लिया।

कॉल पर उन्हें यही सलाह दी गई है कि वे सांप से दूरी बनाकर रखे और उस पर नजर रखे क्योंकि ये सांप कोबरा से भी ज्यादा जहरीला होता है। महेंद्र मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने करीब ढाई फीट लंबे रसल वाइपर सांप को देखा। इसके बाद स्टीक की मदद से सावधानी से उसे गमले के पास से बाहर निकाला और उसे प्लास्टिक के जार में बंद किया।

इंदौर में ठंड बेअसर, 2 दिन में बढ़ा 6 डिग्री टेम्प्रेचर

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर, 18 जनवरी से फिर बढ़ेगी ठंड

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अब ठंड का असर काफी कम हो गया है। दो दिनों में दिन के तापमान में 6 डिग्री का इजाफा हुआ है। दिन का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात में भी ठंड का प्रभाव अब काफी कम हो गया है। गुरुवार सुबह हल्का कोहरा छाया हुआ था और विजिबिलिटी 1200 मीटर रही। इसके बाद धूप खिलने के साथ मौसम साफ हो गया। फिलहाल ठंड ज्यादा असरदार नहीं है। मौसम वैज्ञानिकों ने 27 जनवरी के बाद ठंड बढ़ने का अनुमान जताया है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर- अभी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की एक्टिविटी का प्रदेश के उत्तरी हिस्से में असर है। सिस्टम के गुजरने के बाद 18 जनवरी से ठंड का प्रभाव फिर बढ़ने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धामले ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर अगले दो दिन तक रहेगा। जैसे ही यह सिस्टम गुजरेगा, प्रदेश में ठंड का प्रभाव फिर से बढ़ जाएगा।गुरुवार सुबह हल्का कोहरा रहा। इसके बाद धूप खिलने के साथ ठंड काफी कम हो गई।

18 जनवरी के बाद फिर बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग के अनुसार, 18 जनवरी से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा, जो पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करेगा। इसके बाद बर्फीली हवाओं की रफ्तार बढ़ जाएगी और पूरा प्रदेश ठिठुर जाएगा। इससे पहले बुधवार को जेट स्ट्रीम हवाएं 287 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। इंदौर और आसपास के हिस्सों में फिलहाल ठंड का कोई खास असर नहीं है। इससे पहले, बुधवार को इंदौर में दिनभर मौसम साफ रहा। इस दौरान हवा की रफ्तार 23 किमी प्रति घंटा रही। हालांकि, तेज धूप के कारण ठंडक महसूस नहीं हुई। रात का तापमान भी 1 डिग्री बढ़कर 16.6 (+7) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार सुबह से तेज धूप है, और ठंड सामान्य बनी हुई है। दो दिनों बाद ठंड के फिर से लौटने के आसार हैं।

महिला बोली-मांझे से गला कटा, लगा कि जान चली जाएगी

इंदौर में चायनीज डोर से लोगों में दहशत; कहा- प्रतिबंध नहीं लगा तो कितनों की मौत होगी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार शाम 22 वर्षीय कॉलेज स्टूडेंट हिमांशु सोलंकी का पतंग के मांझे से गला कट गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उसके रिश्तेदार विनोद को भी आंख के पास चोट आई है। हादसे से शहरभर के लोग सहमे हुए हैं। खासकर वे लोग ज्यादा डरे हुए हैं, जो पहले कभी ऐसी घटनाओं के शिकार हो चुके हैं। इनमें से एक रीना वर्मा ने 25 दिन पहले अपने साथ हुई घटना को लेकर कहा- उस दिन गला कटते ही लगा कि जान ही चली जाएगी। रणजीत हनुमान की कृपा से बच गई। पति ने तो इस डर से बाइक पर तार लगवा लिए कि कहीं फिर ऐसा हादसा न हो जाए। इसी तरह, 15 साल के मोहम्मद फैज के चेहरे पर भी डर दिखाई दिया। उन्होंने हादसे के दिन को याद कर कहा कि चायनीज मांझे पर सही तरीके से प्रतिबंध लगना चाहिए।

अचानक गले पर आ लगा चायनीज मांझा- इंदौर एयरपोर्ट के नजदीक रहने वाली रीना वर्मा ने बताया- 21 दिसंबर को रणजीत हनुमान मंदिर में जन्मोत्सव पर्व मनाया जा रहा था। उसी में शामिल होने मैं पति विकास वर्मा के साथ मंदिर जा रही थी। करीब 6 बजे होंगे। छोटा बांगड़दा स्थित घर से आधे रास्ते पहुंचे थे, तभी छत्रीपुरा और महू नाका के बीच 12 भाई रोड पर एक पतंग कटकर आई। पति के कान को छूते हुए चायनीज मांझा मेरे गले पर आ गया। गला कटते ही खून बहने लगा। रीना ने कहा कि चायनीज मांझा बेचने और खरीदने वालों पर कलेक्टर को कड़ी कार्रवाई करना चाहिए। इससे कई लोगों की जान जा चुकी है। कई जगह पर पुलिस से साठगांठ करके चायनीज मांझा बेचा जा रहा है। वे बोलीं-हादसे को एक महीना होने को आया है। अभी तक उबर नहीं पाई हूं। पिछले हफ्ते ही टांके कटे हैं। अभी भी खाने में दिक्कत है। लगातार बुखार बना हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि कुछ दिन में सबकुछ ठीक हो जाएगा।

खून की पिचकारी निकल पड़ी- रीना के पति विकास वर्मा ने कहा- हादसे के वक्त पत्नी के गले से खून की पिचकारी निकल रही थी। मैं तो उम्मीद ही छोड़ चुका था। ऑटो में बैठाकर अस्पताल ले गया। यहां डॉक्टरों ने भी पहले तो असमर्थता जताई लेकिन हमारे आग्रह पर इलाज शुरू किया।

डॉक्टरों ने 12 टांके लगाए, तब तक पत्नी चीखती रही। बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था। सभी परिजन भगवान से प्रार्थना कर रहे थे। पत्नी के साथ हुए हादसे के बाद विकास ने गाड़ी के आगे तार लगवा लिए।

15 साल के फैज के सिर पर कट लगा

1 जनवरी को पिताजी के लिए खाना लेकर जा रहे 15 साल के मोहम्मद फैज के सिर पर जूनी इंदौर ब्रिज पर चायना डोर आ लगी। फैज लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। उसने जैसे-तैसे मोबाइल निकालकर पिता बाबूभाई को फोन लगाया। वे सब काम छोड़कर तत्काल बेटे के पास पहुंचे और उसे डॉ. आसिफ के पास ले गए। डॉ. आसिफ ने फैज का उपचार करने के बाद छुट्टी दे दी। लेकिन बेटे के साथ हुए हादसे की खबर सुनकर मां की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। बाबू भाई ने कहा- फैज मेरा इकलौता बेटा है। मैं रिपोर्ट लिखाने गया लेकिन चायना डोर बेचने वाले का नाम पूछा तो मैं बता नहीं पाया।उन्होंने कहा- चायनीज डोर न जाने कितने लोगों की जान लेगी। इस पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगाना चाहिए।

संपादकीय

भागवत बनाम राहुल: बयानों पर बवाल

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के 'सच्ची आजादी' वाले विवादित बयान पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पलटवार करते समय फिर ऐसी टिप्पणी कर दी, जिस पर बवाल खड़ा हो गया है। भागवत के बयान पर कड़ी टिप्पणी करते हुए राहुल ने कहा था कि भागवत अगर किसी दूसरे देश में ऐसा बयान देते तो इसे देशद्रोह मान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता और मुकदमा चलाया जाता। भागवत ने सोमवार को इंदौर में रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार से सम्मानित किया था। इसी मौके पर उन्होंने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठा द्वादशी के तौर पर मनाया जाना चाहिए। इसे ही भारत का 'सच्चा स्वतंत्रता' दिवस मानें। क्योंकि अनेक शतकों से परतंत्रता झेलने वाले भारत के सच्चे स्वतंत्रता की प्रतिष्ठा उसी दिन हो गई। भागवत ने यह भी कहा कि भारत को 15 अगस्त 1947 को राजनीतिक स्वतंत्रता मिली। हमने एक संविधान भी बनाया। लेकिन उसके जो भाव हैं, उसके अनुसार चला नहीं। हमारा स्व क्या है? राम, कृष्ण और शिव, यह क्या केवल देवी देवता हैं, या केवल विशिष्ट उनकी पूजा करने वालों के हैं? ऐसा नहीं है। राम उत्तर से दक्षिण भारत को जोड़ते हैं। 'भागवत के इस कथन पर व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। इससे सीधी यही ध्वनि निकलती है कि 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी सच्ची नहीं थी तो फिर क्या था? क्या भागवत उस आजादी को नकार रहे हैं या फिर आजादी की नई परिभाषा कर रहे हैं। सवाल गंभीर है, ऐसे में राहुल गांधी की प्रतिक्रिया भी अपेक्षित ही थी। अपने रिएक्शन में उन्होंने संघ प्रमुख को उद्धृत करते हुए कहा भारत 1947 में आज़ाद नहीं हुआ था। भारत को सच्ची आज़ादी उस दिन मिली जब राम मंदिर बना। वो कहते हैं कि संविधान हमारी आज़ादी का प्रतीक नहीं है। राहुल ने कहा कि हम सिर्फ बीजेपी या आरएसएस जैसे राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं तो आप ये समझ नहीं पा रहे हैं आखिर हो क्या रहा है। हम बीजेपी, आरएसएस और अब खुद इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं।' इसी पर बवाल हो गया है। सवाल यह उठ रहा है कि राजनीतिक लड़ाई के इतर अगर कांग्रेस भारतीय राज्य के खिलाफ भी लड़ रही है तो उन राज्यों में इसे क्या माना जाए, जहां वह खुद सत्ता में है। और अगर इंडियन स्टेट ही गड़बड़ है तो वह केन्द्र में सत्तासीन होने का ख्वाब क्यों देख रही है? भाजपा ने इसी मुद्दे पर राहुल को कांग्रेस पार्टी को घेरा है। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। राहुल अपनी तीखी प्रतिक्रियाओं में भी कुछ ऐसी बात कह जाते हैं कि विवाद का फोकस ही बदल जाता है। उन्होंने मोहन भागवत को आड़े हाथों लेने की हिम्मत दिखाई थी, लेकिन उसके बाद अति उत्साह में वो ऐसा कह गए, जो खुद उन पर ही भारी पड़ सकता है। हालांकि राहुल के बयान से हटकर देखें तो यह प्रश्न राजनीतिक हल्कों में पूछा जा रहा है कि मोहन भागवत ने ऐसा क्यों कहा? कुछ लोगों का मानना है कि पिछले दिनों उन्होंने कुछ ऐसे सार्वजनिक बयान दिए थे, जिससे संघ और भाजपा में दूरी और खुद संघ में दरार का संदेश जा रहा था। शायद इसी मद्देनजर बतौर करेक्शन उन्होंने अपनी लाइन ठीक की है। वरना दो साल पहले देश में जब आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा था, तब भी उन्होंने उसकी आलोचना नहीं की थी। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि राहुल के बयान को पर बतंगड़ बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने जो कहा वह महज एक राजनीतिक शब्दावली है।

नजरिया

डॉ. आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

टूडो के जाने के बाद भारत- कनाडा संबंधों की दिशा

राजनयिक मर्यादाओं और अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं को ताक पर रखने वाले और खालिस्तानी समर्थक कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने सत्ताधारी लिबरल पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है या उन्हें ऐसा करने पर मजबूर कर दिया गया। टूडो एक नंबर के गैर- जिम्मेदार प्रधानमंत्री के रूप में याद रखे जाएंगे। वे खुलकर खालिस्तानी तत्वों का समर्थन करने के अलावा भारत के आतंरिक मामलों में भी लगातार हस्तक्षेप करते रहे।

टूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का बिना किसी सबूत के बेशर्मी से आरोप भी लगाया। टूडो के प्रधानमंत्रित्व काल में कनाडा में खालिस्तानी तत्व अति सक्रिय हो गए और खुलकर भारत विरोधी उत्पात मचाया । ये भारत को फिर से खालिस्तान आंदोलन की आग में झोंकना चाहते थे। कनाडा की ओंटारियो विधानसभा ने 2017 में 1984 के सिख विरोधी दंगों को सिख नरसंहार और सिखों का राज्य प्रायोजित कत्लेआम करार देने वाला एक प्रस्ताव भी पारित किया था। ये सब गंभीर आरोप के मामले थे। इस तरह की हरकतों से साफ था कि कनाडा में भारत के शत्रुओं को टूडो सरकार का खुला समर्थन मिला हुआ था। कनाडा में खालिस्तानियों के जड़े जमाने का सबसे पहले सुबूत मिला था कनिष्क विमान हादसे के रूप में। मॉंट्रियाल से नई दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान कनिष्क को 23 जून 1985 को आयरिश हवाई क्षेत्र में उड़ते समय, 9,400 मीटर कीऊंचाई पर, बम से उड़ा दिया गया था और वह अटलांटिक महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस भयानक हादसे में 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक ही थे। टूडो को भारत सरकार ने बार-बार कहा कि वे अपने देश में खालिस्तानियों को कसे। पर मजाल है कि टूडो ने कोई इस संबंध में कोई कदम उठाया हो।

भारत-कनाडा संबंधों ने सितंबर 2023 में गंभीर मोड़ ले लिया था, जब टूडो ने दावा किया था कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास भारतीय सरकार के एजेंटों को निज्जर की हत्या से जोड़ने वाले विश्वसनीय सुबूत हैं। भारत ने उन दावों को 'बेतुका और राजनीति से प्रेरित' बताया था। भारत मानता है कि निज्जर एक घोर आतंकवादी था । वह पंजाब में 2007 के सिनेमाघर बम विस्फोट और 2009 में सिख नेता रुलदा सिंह की हत्या में शामिल था। भारत के बार-बार अनुरोधों पर भी खालिस्तानियों को प्रत्यर्पित करने में कनाडा की विफलता ने इस धारणा को बढ़ावा दिया है कि कनाडा में भारत विरोधी

ताकतों को खाद-पानी मिल रहा है।

जस्टिन टूडो साल 2018 में भारत यात्रा पर आए थे। वे अमृतसर से लेकर आगरा और मुंबई से लेकर अहमदाबाद का दौरा करने के बाद जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले तो मोदी जी ने कायदे से बता दिया था कि 'भारत धर्म के नाम पर कट्टरता तथा अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के साथ समझौता नहीं करेगा।'

कनाडा में टूडो की सरकार हिन्दुओं के हित सुरक्षित रखने में पूरी तरह से नाकाम रही। वहां पर मंदिरों को लगातार निशाना बनाया जाता रहा। कनाडा में मंदिरों पर हमलों की घटनाओं में आमतौर पर मंदिरों में तोड़फोड़, धार्मिक प्रतीकों को नुकसान पहुंचाना या स्प्रे पेंट करना शामिल होता है। कुछ मामलों में, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री भी लिखी गई है। जाहिर है, कनाडा में हिंदू समुदाय इन हमलों से गंभीर रूप से चिंतित है। वे सरकार से इन हमलों की जांच करने और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की मांग कर रहे हैं। कनाडा सरकार ने इन हमलों की औपचारिक निंदा तो की है और कहा है कि वह धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। लेकिन, कोई भी दोषी पकड़े नहीं गए। ये किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि हमलों के पीछे खालिस्तानी शामिल थे।

कहने को कनाडा एक बहुसांस्कृतिक देश है। सरकार सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध बताई जाती है। पर हकीकत में टूडो के काल में वहां की सरकार खुलकर भारत और हिन्दू विरोधी बनकर उभरी।

आपको याद होगा कि टूडो भारत के किसानों के हित में बेवजह बयानबाजी करने लगे थे। जब किसानों ने अपनी मांगों के हक में दिल्ली में डेरा जमाया हुआ था तब टूडो भारतीय किसानों के पक्ष में बोल रहे थे। इस मामले में टूडो को बोलने का हक किसने दिया था। टूडो कह रहे थे कि 'कनाडा दुनिया में कहीं भी किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ा रहेगा।' क्या कनाडा को हमारे घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने का किसीने अधिकार दिया था? एक बात साफ है कि किसी देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में तभी बोलना चाहिए जब मानवाधिकारों का हनन हो रहा हो। सभी देशों को मानवाधिकारों की रक्षा करने की जिम्मेदारी है और जब कोई देश ऐसा करने में विफल रहता है, तो अन्य देशों को हस्तक्षेप करने का अधिकार है। अगर बात मानवाधिकारों से हटकर हो तो किसी देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में कभी भी नहीं बोलना चाहिए। प्रत्येक देश को अपनी सरकार चुनने का अधिकार है और अन्य देशों को इस चुनाव में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उम्मीद है कि कनाडा में टूडो की विदाई के बाद दोनों देशों के रिश्ते फिर से पटरी पर आने लगेंगे। भारत और कनाडा के बीच संबंधों का पुराना इतिहास है। कनाडा ने 1947 में भारत की स्वतंत्रता को मान्यता दी और दोनों देशों ने 1947 में ही आपसी राजनयिक संबंध स्थापित किए।

दोनों देश राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं और साझा मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को साझा करते हैं। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है, जिसमें ऊर्जा, कृषि, प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे क्षेत्र शामिल हैं। दोनों देश व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर भी बातचीत कर रहे हैं, ताकि व्यापार और निवेश को और बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा, कनाडा में भारतीय छात्रों की एक बड़ी संख्या है, और दोनों देशों के बीच शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुसंधान में सहयोग बढ़ रहा है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सहयोग करते हैं। ऐसी स्थिति में आपसी तनावपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना तो दोनों देशों के लिये नुकसानदायक ही होगा।

आयोजन

प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक भारतीय जन संचार संस्थान,नई दिल्ली (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक हैं।

भारतीय संचार परंपरा का उत्सव है कुंभ

कुंभ भारतीय संचार और ज्ञान परंपरा का एक ऐसा उत्सव और जुटान है, जिससे 'भारत' को जानने की समझ मिलती है। आंखें मिलती हैं। नई रोशनी मिलती है। भारत जैसे विशाल देश, उसकी संस्कृति, संत परंपरा का यह महाउत्सव है। स्वयं को जानना, भारत को जानना, भारत के धर्म और उसकी विविध ज्ञान धाराएं और ज्ञान परंपरा का अवगाहन करने का यह उत्सव है। भारत की अद्भुत संचार परंपरा का भी यह केंद्र है। सामान्य जन से लेकर देश के प्रभुजनों का न सिर्फ यहां आगमन होता है, बल्कि यहां से मिले संदेश को वे देश भर में लेकर जाते हैं। यहां संवाद, संदेश और एकत्व का सृजन खास है। दुनिया भर के मनुष्य एक हैं और वे एक ही भावबोध से बंधे हुए हैं यह विचार यहां हमें मिलता है। भारत का 'सर्वे भवंतु सुखिनः' का विचार इसके मूल में हैं। जो सामान्य जन को शक्ति देता है। यहां से प्राप्त विचार हमें जीवन युद्ध में खड़े और डटे रहने का हौसला देते हैं। यह सामान्य संवाद क्षण नहीं है, विमर्श का भी उत्सव है।

भारत की संवाद और संचार परंपरा से ही यह राष्ट्र सांस्कृतिक रूप से एक रहा है। इसलिए कहते हैं इस राष्ट्र में राज्य अनेक थे, राजा अनेक थे किंतु राष्ट्र एक था। राष्ट्र को जोड़ने वाली शक्ति ही संस्कृति ही। इसलिए विष्णु पुराण में हमारे ऋषि कह पाए-

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः॥

इस सांस्कृतिक एकता को बनाए रखने के लिए संवाद सबसे जरूरी तत्व था। जिससे सम भाव, मम भाव और समानुभूति पैदा होती है। उत्तर से दक्षिण तक,पूर्व से पश्चिम तक समूचा भारत एक भाव से जुड़े और सोचे इसके लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं जो एकत्व के सूत्र को मजबूत कर सकें। कुंभ एक ऐसा ही आयोजन है जिसमें समूचा भारत एक साथ आकर अपने सामयिक संदर्भों, जीवन संदर्भों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों पर विचार करता है। हमारी संत परंपरा, ऋषि परंपरा के नायक हमें संवाद के वे सूत्र देते हैं जिनसे हमारा आगे का जीवन समर्थ होता है। संवाद परंपरा की यह उजली परिपाटी आज भी बनी हुई है। एक समय था जब हमारे पास संवाद के,संचार के समाचार के आधुनिक माध्यम नहीं थे। मीडिया या पत्रकारिता नहीं थी। किंतु समाज था, लोग थे, विविध भाषाएं थीं। संवाद, संचार और शास्त्रार्थ जैसे शब्द भी थे। ये आधुनिक शब्द नहीं हैं। यानी तब भी समाज में जीवंत संचार परंपरा थी। जिसने सारे राष्ट्र को जोड़ रखा था। राजा राज्यों को बनाते होंगें, किंतु भारत राष्ट्र को ऋषियों ने रचा है। इसलिए यह राष्ट्र चिरंतन है। एक साथ नया और पुराना दोनों है। इसलिए भारत राष्ट्र को एक ओर जीता जागता राष्ट्रपुरुष कहा गया तो दूसरी ओर भारतमाता कहकर इससे आत्मीयता का संबंध भी बनाया गया। 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः।' यह मंत्र इसी भाव की सार्थक अभिव्यक्ति है। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लिखा है-

भारत जमीन का टुकड़ा नहीं,
जीता जागता राष्ट्रपुरुष है।
हिमालय मस्तक है, कश्मीर किरीट है,
पंजाब और बंगाल दो विशाल कंधे हैं।
पूर्वी और पश्चिमी घाट दो विशाल जंघायें हैं।
कन्याकुमारी इसके चरण हैं, सागर इसके पग पखारता है।

यह चन्दन की भूमि है, अभिनन्दन की भूमि है,
यह तर्पण की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है।
इसका कंकर-कंकर शंकर है,
इसका बिन्दु-बिन्दु गंगाजल है।
हम जियेंगे तो इसके लिये
मरेंगे तो इसके लिये।

भारतीय ज्ञान परंपरा में विमर्श का सबसे बड़ा मंच कुंभ ही है। जहां समूचे विश्व से साधक, ज्ञानी और विद्वान आते हैं। उनकी उपस्थिति में वहां होने वाली चर्चाएं जहां आध्यात्मिक जीवन के लिए प्रेरक होती हैं, वही लोकजीवन के लिए भी उनके संदेश प्रेरणा बनते हैं। यहां होने वाले विमर्श और चर्चाएं सारे भारत के गिरिवासियों, नगरवासियों, ग्रामवासियों और वनवासियों तक पहुंचती रही हैं। संवाद और संचार की यह परंपरा कितनी वैज्ञानिक रही होगी कि यहां होने वाली चर्चाओं का समूचा संदेश उसी रूप में बिना विकृत हुए आमजन तक पहुंचता रहा है। जबकि आधुनिक संचार माध्यमों से प्रसारित संदेशों ग्रहणशीलता के कई तल हैं। ऐसा अनेक अध्ययनों में प्रामाणिक हो चुका है। यानी कुंभ की संचार और संवाद परंपरा ज्यादा प्रभावी तथा लोकमंगलकारी है। सही मायनों में लोकप्रबोधन का सबसे सशक्त माध्यम हमारे देश की वाचिक परंपरा रही है। वाचिक परंपरा के नाते ही श्रुति और स्मृति परंपरा हमारे सामने आती है। इसका बहुत महत्व है। विद्वान मानते हैं कि बोले हुए शब्द हमारी सांस्कृतिक परंपरा में बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रख्यात संस्कृतिकर्मी विनय उपाध्याय कहते हैं,-' वेद हमारे आदिग्रंथ हैं तो उनके मंत्र लगभग दो हज़ार वर्षों तक हमारी मानवीय सभ्यता के पास मौखिक परंपरा में ही रहे। स्मृति और कंठ ने इन्हें कई पीढ़ियों तक जीवित रखा। जब लिपि का आविष्कार हुआ तब वे ग्रंथ में यानी पृष्ठों पर अंकित हुए। सामवेद से जन्में संगीत का ही कमाल है कि आज भी वे स्वर और लय की निश्चित गतियों और आरोह-अवरोह में गाये जाते हैं। थोड़ा आगे बढ़ें तो रामायण और महाभारत की कथाएँ आख्यान की रोचक-रम्य शैली में आज तक जन मानस को आन्दोलित करती हैं।'

भारत की संचार परंपरा वास्तव में श्रुति और स्मृति परंपरा से ही आकार लेती है। जिसका उद्देश्य ही लोकमंगल और विश्वमंगल है। लोककल्याण भारत की चिति है। इससे कम और ज्यादा कुछ नहीं। हमारे शास्त्र कई रूपों में इसकी घोषणा करते हैं। भारत के पर्व, उत्सव,मेले, प्रवचन, प्रदर्शन कलाएं, लोक कलाएं, संगीत, साहित्य, योग, आयुर्वेद सब लोकमंगल में ही अपनी मुक्ति खोजते हैं। कुंभ मेला इन अभिव्यक्तिजन्य कलाओं का सामूहिक मंच रहा है। जहां ज्ञान,कला, संगीत और ज्ञान-विज्ञान के सभी अनुशासन अपना स्थान पाते रहे हैं। इन सामूहिक अभिव्यक्तियों से ही समूचा भारत प्रेरित होता रहा और जीवनी शक्ति पाता रहा। भारत में मनुः भव की संस्कृति को अपने समूचे लोकजीवन में स्थापित किया। इसलिए सर्वभूत हिते रताः का भाव पूरे भारत के मन पर अंकित हो गया। जिसे तुलसीदास के शब्दों में सुनें तो-

परहित सरिस धर्म नहिं भाई,
पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।
(श्री रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड)

यही बात एक मंत्र में भी कही गई-

अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्॥

परोपकार और लोकमंगल भारतीय अवचेतन का लक्ष्य है। शायद इसीलिए बाद के दिनों में मिर्जा गालिब भी इसे इस रूप में लिखते हैं-

यूं तो मुश्किल है हर काम का आसां होना,
आदमी को मयस्सर नहीं इंसा होना।

भारत की सांस्कृतिक यात्रा में कुंभ के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि विविधता भरे इस समाज को एक सूत्र में जोड़ने का काम ऐसे आयोजनों के माध्यम से होता रहा है। भारत की सांस्कृतिक थाती और विरासत को बनाने, बचाने और संवादरत रखने का काम भी इन आयोजनों ने किया है। ज्ञान को अमृत मानकर चखने की परंपरा का उत्कर्ष ही कुंभ है। यह काम दुनिया में भारत ही कर सकता है। वह ज्ञान में ही रत है यानी 'भा-रत' है। संचार के जितने भी प्रकार हो सकते हैं, कुंभ में उन सबका प्रकटीकरण होता है। इन अर्थों में यह सभा आध्यात्मिक शुद्धि के विचारों से कहीं आगे है, जिसमें संपूर्ण जीवन का विचार है। यहां पारंपरिक संगीत,नृत्य, कलाओं, शिल्प कौशल सबके प्रयोग से सार्थक संवाद का सृजन होता है। आध्यात्मिक यात्रा के साथ-साथ विविध जीवनानुभवों की साक्षी बनकर व्यक्ति भारत की सांस्कृतिक भाव यात्रा से भी जुड़ जाता है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी विवरण में कहा गया है कि,-' वर्ष 2025 का महाकुंभ मेला सिर्फ एक सभा नहीं है; यह स्वयं की ओर एक यात्रा है। अनुष्ठानों और प्रतीकात्मक कृत्यों से परे, यह तीर्थयात्रियों को आंतरिक प्रतिबिंब और परमात्मा के साथ गहरे संबंध का अवसर प्रदान करता है। आधुनिक जीवन की माँगों पर अकसर हावी रहने वाली दुनिया में, महाकुंभ मेला एकता, पवित्रता और ज्ञानोदय के प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह कालातीत तीर्थयात्रा शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि मानवता के विभिन्न मार्गों के बावजूद, हम मूल रूप से शांति, आत्म-बोध और पवित्र के प्रति स्थायी श्रद्धा की ओर एक साझा यात्रा के लिए एकजुट हैं।'

आज जब विश्वमानवता के सामने संकट के बादल छाए हुए हैं, ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में कुंभ का आयोजन सही मायने में बहुत प्रासंगिक है। इसके आयोजन से विश्व मानवता आपस में जुड़ती है, संवादित होती है और लोकमंगल के संकल्प प्रखर होते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत की संचार और संवाद परंपरा का अनुगमन कर समूचा विश्व अपने संकटों का ठोस और वाजिब हल तलाश सकेगा।

कहीं तन न हो जाएं मन से जुदा

अभिव्यक्ति

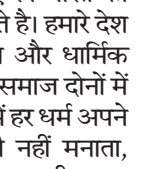

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

भारत स्वयं में ही विविध रंगों का देश है। हर पल नए -नए रंग भारत की सुन्दरता में चार चाँद लगाते है। हमारे देश में जहाँ धार्मिक विविधता और धार्मिक सहिष्णुता को कानून तथा समाज दोनों में जगह दी गई है, हमारे देश में हर धर्म अपने त्योहारों को अकेले कभी नहीं मनाता, उसमें हर धर्म के लोग अपनी श्रद्धा अनुसार अपना योगदान देते है। बीते कुछ समय से हम यह समझने में गलती हो रही है कि क्या हम भारत को प्रेम की डोर में बाँधने में चूक तो नहीं रहे है? किसी भी छोटी सी बात पर भी हम अपने भीतर की नफरत को छिपाने में नाकामयाब होने लगे है। पर सवाल यह है कि नफरत है भी क्यों? यह कब हमारे भीतर आई? सर तन से जुदा और भी कायरता हमारे देश को भीतर से खोखला करती जा रही है। समझ में नहीं आता कि जिस देश में हम रहते है, जिसकी मिट्टी हमें अपनी पनाह में लेती है, उसी देश की तारीफ़ या गुणगान करने में हमें झिझक क्यों हो रही है? हम कब भारतीय से एक जाति या बस धर्म बनकर रह गए है?

यदि हम सोचें तो क्या किसी ऐसे देश में अपने धर्म को मानने और उसपर चलने की इतनी आज़ादी है? तो जवाब हम सब जानते है, लेकिन फिर भी अपने धर्म को हमारे की जगह मेरा धर्म कहने की भूल कर रहे है। सेना की भर्ती हो या गरीबों की मदद कभी भी धर्म को इसमें लाया नहीं जाता। अगर देश पर अपना सर्वस्व लुटाने का अधिकार हम सबका समान है तो भारत माता की जय बोलने में झिझक क्यों?

अफ़सोस की बात है कि धर्म को हमने सिर्फ राजनीति तक ही सीमित नहीं कर दिया, बल्कि इसे एक व्यापार की तरह इस्तेमाल करने लग गए है। धर्म का वास्ता देकर किसी को भी अपने जीवन के साथ समझौता करना पड़ता है। सीधे-सीधे अगर हम बात करें तो धर्म आजकल जीवन को सलीके और मर्यादा तो किसी-किसी को ही सीख रहा है, लेकिन धर्म की आड़ में व्याभिचार अपनी क्रम सीमा पर है। अपने धर्म का नाम लेकर किसी की गर्दन काट देने से या किसी का घर जला देने से क्या हम अपने धर्म की शिक्षा को सही से पहचान पा रहे है? आज ज़रूरत है उन मानवीय मूल्यों कि जिन पर चलकर हम ना सिर्फ अपने धर्म की सुदर बनाएं बल्कि अन्य धर्मों के प्रति भी प्रेम और आदर की भावना को बनाए रखें।

यह कठिन काम नहीं है। बस हम करना नहीं चाहते। हम दूसरे धर्म से नफरत तो करते है, लेकिन उन्हीं धर्मों के धार्मिक आयोजनों में अपने व्यापार को जरुर बढ़ते देखना चाहते है। यही दोहरा चरित्र सिर्फ हमारे लिए ही नहीं हमारे देश के लिए भी हानिकारक है। सवाल यह है कि क्या यह देश सबका नहीं है? इस देश पर होने वाली विपदा सांझी क्यों नहीं है? यदि हमारे देश पर आने वाली समस्या का कारण हम है तो यह हमारे लिए यह शर्म की बात होनी चाहिए।

देश की सेवा की ज़िम्मेदारी सिर्फ सेना की नहीं है। यह हम जैसे आम नागरिको की भी ज़िम्मेदारी है। जिस दिन हम यह सोच लेंगे कि हम ना तो सिर्फ किसी धर्म या समुदाय के है, हम तो सिर्फ भारतीय है। यकीन करें उसी दिन से भारत को विश्व विजेता बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। सरहद के पहरेदारों से ज़्यादा मानवीय भावनाए और हमारा अपने देश के प्रति लगाव ही हमारे देश को आगे बढाने में सहयोग कर सकता है। जब घर के लोग अपने घर की सुरक्षा करेंगे, तभी घर को बाहरवाला से कोई खतरा नहीं होगा, क्यों हर किसी को पता होगा कि इस घर की हर दीवार बहुत मजबूत है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

धर्मपाल महेंद्र जैन

लेखक कनाडा निवासी व्यंग्यकार हैं।

गोष्ठी से साहित्य अकादमी जैसी लगती है पान की गुमटी

आपने देखा होगा, हर मुख्य चौराहे पर पान की चार प्रसिद्ध गुमटियाँ होती हैं। हर गुमटी के इर्द-गिर्द चार-छः साहित्यकार होते हैं। हमारी भी ऐसी एक गुमटी है। यहाँ हमें इस भ्रम से मुक्ति मिलती है कि हम बहुत बड़ा काम करते हैं। हमारे वरिष्ठ, समृद्ध साहित्य की अनियमित लघु पत्रिका निकालते हैं। वे रूस-यूक्रेन, इजराइल-गाजा जैसी वैश्विक समस्याओं पर अमेरिका को फटकार लगाने के लिए प्रख्यात हैं। वे जानते हैं कि उनकी पत्रिका और संपादकीय अंततः 'गुमटी शरणम् गच्छामि' कह कर पानबीड़े के काम आ जाते हैं। हम सारे साहित्यकार, संपादक बंधु की इज्जत करते हैं। कितनी हिम्मत है उनमें कि जहाँ राष्ट्रसंघ पौं-पौं करते असहाय पड़ा है, वहाँ वे हैं जो अलख जगाने के लिए लिख रहे हैं।

हमारे गुट में एक लेखक हैं। वे स्वतंत्र लेखक हैं। कारण, कोई भी नियोक्ता केवल लेखक को नौकरी नहीं देता। उनके पास जनता के लिए व्यापक विषय हैं। उन्नीस सौ सैंतालीस से लगाकर तीन सौ सित्तर के बीच जो भी घटित हुआ, उस पर वे साधिकार लिख सकते हैं। बस उनकी विचारधारा में जनता नहीं है, क्योंकि जनता पर लिखने से कुछ नहीं मिलता। उनके कस्बे की पार्टी वाले, पार्टी के नोटिस बोर्ड पर उनका लेख तक नहीं लगाने देते। वे टीवी पर बहस करने आते हैं तो लोग उसे विज्ञापन समझ कर चैनल बदल देते हैं। यही उनका दुःख है, जिसका वे यहाँ रोज दुखड़ा रोते हैं।

हमारे स्थायी विमर्शकारों में एक ठिठोलीकार कवि हैं। उनका उद्देश्य येन-केन सरकारी कवि सम्मेलन कबाड़ना और मानदेय पाना है। वे सायंकालीन सभा में राग तोड़ी में अपनी टूटी-फूटी चरम श्रृंगार कविता सुनाने के लिए आमादा रहते हैं। साहित्य रसिक उन्हें कितना भी रोकें, वे बिना ब्रेक की गाड़ी की तरह गतिमान रहते हैं। उन्होंने धरातल की कविता को तुकबंदी से रसातल तक पहुँचा दिया है।

हममें एक सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार हैं। वह व्यंग्य की पैकिंग में जो बित्ताभर लेख लिखता है, वह हर छोटे से छोटे अखबार में छप जाता है। वह रोज छपता है। बिरादरी वाले कहते हैं कि उसे ओबीसी जैसा आरक्षण प्राप्त है। उसे गलतफहमी है कि माननीय लोग उसके व्यंग्य सुनकर डर जाते हैं और दो-चार लोग व्यंग्य पढ़ कर सुधर जाते हैं। मेरी ही बात है, कल मैंने एक माननीय के अवगुणों पर तेज-तर्रार व्यंग्य लिखा था। सचिवालय में वे आज सामने पड़ गए तो मैंने हिम्मत करके नमस्ते की और कहा, सर कल जो छपा था वह आप पर नहीं था। वे हक्का-बक्का रह गए। हकीकत में वे अखबार की हेडलाइंस तक नहीं पढ़ते थे, व्यंग्य कहाँ पढ़ते! वे कहने लगे, हम अखबार की हेडलाइनें बनाने के लिए पैदा हुए हैं, फुटकर पढ़ने के लिए नहीं। हमें मशीनों द्वारा गिने गए नोटों को जमाने से ही फुरसत नहीं है, तो क्या अखबार, क्या टीवी, क्या जनता। आपको बिटकॉइन के बारे में कुछ पता हो तो बात करो अन्यथा राम-राम। वे तेज गति से निकल गए। मैं सोचता रहा- व्यंग्य पढ़ने के लिए जनता है तो! वह टमाटर पर सैकड़ों व्यंग्य पढ़ चुकी है। न टमाटर के भाव नीचे आते हैं, न सरकारी बाबू के। अफसर वैसे ही बेभाव हैं।

जनता का न माननीयों पर भरोसा है और न ही व्यंग्यकारों पर। सच पूछें तो कृत्रिम मेधा (एआई) के जमाने में पढ़ने-लिखने से नौकरी तो मिलेगी नहीं। फिर, जानबूझकर व्यंग्य पढ़ कर कौन विसंगतियों के छत्ते में हाथ डालेगा और माननीय को कहेगा कि आ बैल मुझे मार! हालत यह है कि मेरे व्यंग्यकार हृदय के पटाखे फुस्स हो रहे हैं। माननीय के खिलाफ वह कुछ लिख दे तो 'चक्की पीसिंग' हो जाए। वह विपक्षियों को टाइट करने लगे और मालूम पड़े कि घर के भेदियों ने विपक्षियों से मिल कर सरकार पलट दी! वह रात को जिस रामराज्य में सोया था, वहाँ सवेरे माफिया किंग का राज हो गया। इसलिए व्यंग्य लेखन आत्मघाती है और व्यंग्यकार आत्महंता। आज की गोष्ठी समाप्त।

चायपान का आयोजन गुमटी वाले ने किया है। वह कहता है सर कल फिर आजाइगा। आप लोग होते हैं तो भीड़ बनी रहती है। आपकी गोष्ठी से पान की गुमटी साहित्य अकादमी जैसी लगती है। हम कल फिर गमुटी की शोभा बढ़ाएँगे, पाठक आप भी आइएगा।

स्मृति : श्याम बेनेगल

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। आप पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर हैं।

अपने सिनेमा मित्र के लिए अभूतपूर्व जीवन जीने वाले फिल्मकार

श्याम बेनेगल के जाने से उनके चाहने वालों में मायूसी है। मुझे स्मरण आ रहा है भारत की पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटील का विज्ञान भवन में दिया गया 14 सितंबर, 2007 का अभिभाषण। उस संबोधन में प्रतिभा जी ने कहा था, 'आज शाम हमारे बीच इस वर्ष के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्तकर्ता श्याम बेनेगल हैं। वह एक ऐसे फिल्म निर्माता हैं जो अपनी सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्मों और भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उनकी उपलब्धियाँ लगातार पुरस्कारों से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा तक हैं। बेनेगल ने अपने प्रतिष्ठित फिल्म निर्माण करियर में कई पुरस्कार जीते और भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कला के साथ मैत्री बिरले लोग रख पाते हैं। मैत्री का अर्थ है अपने मित्र के प्रति त्याग। सिनेमा भी बनाना कोई आसान बात नहीं है। उन्होंने अपने सिनेमा मित्र के लिए अभूतपूर्व जीवन जिया। श्याम बेनेगल एक ऐसा नाम है जिन्होंने कला में एकनिष्ठ होकर जीना सीखा और फिर जो उन्होंने कलात्मक सिनेमा को पहचान दिलायी, वह अद्भुत मानी गई। उनकी पहली फ़ीचर फ़िल्म थी 'अंकुर'।

श्याम बेनेगल ने लगातार अपने फ़िल्मी करियर में कुछ नया किया। नए-नए कलाकारों को लेकर फ़िल्में बनाने का रिश्क श्याम बेनेगल उठाते रहे। वह अपने फिल्मों में तकनीक की नई चुनौतियों को अन्दाज़ते रहे। 'मंथन', 'भूमिका', 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' केवल इन्हीं फिल्मों को देखिए तो पता चलता है कि श्याम बेनेगल क्या हैं और किस तरह का सिनेमा गढ़ते हैं।

जब हम बच्चे थे तो श्याम बेनेगल 'भारत एक खोज' के साथ दूरदर्शन पर अपनी उपस्थिति प्रकट कर रहे थे। आज़ भी आज भी दूरदर्शन के प्रसारण 'भारत एक खोज' को लोग याद करते हैं और उनकी फिल्म व ऐतिहसिक दृष्टि के छोटे परदे की पकड़ को समझते हैं। श्याम बेनेगल ने 24 फिल्में, 45 डॉक्यूमेंट्री और 15 एड फिल्म्स बनाई। जुबैदा, द मेकिंग ऑफ द महात्मा, नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगोटन हीरो, मंडी, आरोहन, वेलकम टु सज्जनपुर जैसी दर्जनों बेहतरीन फिल्में बेनेगल ने बनाई है। जवाहरलाल नेहरू और सत्यजीत रे पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के साथ उन्होंने दूरदर्शन के लिए धारावाहिक

'यात्रा', 'कथा सागर' का भी निर्देशन किया।

फिल्म जगत को दिए योगदान के लिए उन्हें 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा इन्हें 8 नेशनल अवॉर्ड मिले। सबसे अहम् बात यह रही कि ज्यादा नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड श्याम बेनेगल के नाम है। बेनेगल को 2005 में भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड भी मिला। उन्हें निवर्तमान राष्ट्रपति प्रतिभा देवीसिंह पाटील ने सितंबर, 2007 में प्रदान करते हुए उपरोक्त अभूतपूर्व योगदान के बारे में जो बातें कहीं कि वह अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त हैं, तो यह उनके सिनेमा जगत की बेबाकियाँ थीं और अपने निरंतर नए प्रयोग थे जिसकी वजह से उन्होंने भरे मंच से बेनेगल का बखान किया था।

श्याम बेनेगल सत्यजित राय के 'पथेर पांचाली' से खुद को प्रभावित बताते रहे हैं। उन्होंने पाथेर पांचाली से संभावनाओं की एक नई दुनिया को देखने की बात भी समय-समय पर स्वीकारी, यह किसी भी सिनेमा जगत के निर्माता/निर्देशक के लिए प्रेरणा की बात होगी। श्याम बेनेगल ने 1982 में डॉक्यूमेंट्री 'सत्यजित राय' बनाई तो इस डॉक्यूमेंट्री के उनके कैमरामैन थे गोविंद निहलानी। इस अद्भुत जोड़ी ने क्या काम किया है। बेनेगल और निहलानी यह सिद्ध किया कि अपनी सोच को तटस्थ रखकर कैसे अपना काम परोसा जा सकता है। फ़िल्म डिविजन के सहयोग से बनी इस डॉक्यूमेंट्री को 1985 की सर्वोत्तम बॉयोग्राफ़िकल फ़िल्म का पुरस्कार मिला। श्याम बेनेगल ने नेहरू पर भी डॉक्यूमेंट्री बनाई। 'यात्रा' उनकी एक अन्य लोकप्रिय डॉक्यूमेंट्री रही है, जिसे खूब सराहना मिली।

बॉक्स-ऑफ़िस पर सफ़लता की सीढ़ियाँ चढ़ते जाना कोई श्याम बेनेगल से सीखे। समानांतर सिनेमा का अंग होने के बावजूद श्याम बेनेगल की फ़िल्में दर्शकों के बीच जितना लोकप्रिय रहीं, वह ऐतिहासिक सफलता किसी भी निर्देशक के लिए मानी जा सकती है । 'अंकुर', 'निशांत', 'मंथन' ये सब कला-फ़िल्में थीं लेकिन सब सराही गईं। अमरीश पुरी, ओम पुरी, नसीरुद्दीन शाह, कुलभूषण खरबंदा, सईद जाफ़री, के। के। रैना, साधु मेहर, रजित कपूर, स्मिता पाटिल, शबाना आज़मी जैसी प्रतिभाओं को जो श्याम जी ने पहचान दी, उसका ऋण वे अपनी कला के लिए निष्ठा के साथ जीकर ही दे सकते हैं।

एक समय ऐसा भी आया कि सबने यह स्वीकार किया कि कलात्मक सिनेमा को पहचान दिलाने में श्याम बेनेगल की खास भूमिका है। जब सिनेमा की यह धारा मेनस्ट्रीम सिनेमा से डगमगाई, उन्होंने हमेशा सिनेमा को सम्हाला और उसे बिखरने नहीं दिया। वह स्त्री विमर्श केन्द्रित सिनेमा निर्माता निर्देशक के रूप में जाने गए। समाज की बुराइयों यथा- जमींदारी प्रथा, जाति प्रथा, स्त्री-पुरुष असमानता पर फ़िल्म बनाने वाले निर्देशक थे। स्त्री के प्रति श्याम बेनेगल के मन में कितना सम्मान है, वे उसे किस नजरिए से देखते हैं, यह जानने के लिए उनकी फ़िल्म 'भूमिका', 'जुबेदा', अंकुर', 'मंथन', 'मम्मो', 'सरदारी बेगम' अवश्य देखनी चाहिए। बायोपिक फ़िल्म 'भूमिका' मराठी अभिनेत्री हंसा वाडेकर की जीवनी है, उसे देखनी चाहिए। इसमें स्मिता पाटिल ने एक ऐसी स्त्री की भूमिका निभाई है, जो बिना किसी शोर-शराबे के किए हुए दमन-शोषण का प्रतिरोध करती और 'अग्नि परीक्षा' से गुजर कर अपने मान-सम्मान के साथ खड़ी होती है। अद्भुत फिल्म और अद्भुत दृश्यांकन की मिसाल है यह फिल्म। खालिद मोहम्मद के लेखन पर श्याम बेनेगल ने नारी प्रधान त्रयी - 'मम्मो', 'सरदारी बेगम' एवं 'जुबेदा' बनाई, सभी कि खूब चर्चा हुई। 'जुबेदा' (2001) फ़िल्म का उपशीर्षक है, 'द स्टोरी ऑफ़ ए प्रिंसेस'। करिश्मा कपूर अभिनीत मासूम जुबेदा को देखें। फ़िल्म दिखाती है, कैसे एक स्त्री को पुरुष सत्ता नचाती है। जुबेदा आंतरिक संघर्ष से जूझती हुई अंततः अपना जीवन समाप्त करने का मजबूत निर्णय लेती है। श्याम बेनेगल की स्त्रियाँ खूब मजबूत हैं, निर्णय लेने में सक्षम भी हैं। उनकी अंतिम फ़िल्म 'मुजीब' (2003) बांग्लादेश के संस्थापक-राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन पर आधारित है। हम सभी जानते हैं कि यह बायोपिक खूब सराही गई।

14 दिसंबर 1934 में हैदराबाद में जन्में इस महान प्रयोगधर्मी फ़िल्म निर्देशक की 23 दिसंबर 2024 को इह लीला समाप्त हो गई लेकिन उन्होंने जो अपना हस्तक्षेप विभिन्न कथानक में अपनी सोच के साथ प्रकट किया वे उन्हें क्या कभी मरने देंगे? फोटोग्राफी उन्हें विरासत में मिली थी, उनके पिता श्रीधर बी. बेनेगल स्टिल फोटोग्राफी करते थे और श्याम भी बच्चों के फोटो खींचा करते थे लेकिन सिनेमा का जो ऐतिहासिक जीवन-वृत्त अपना उन्होंने तैयार किया, वह उनका अपना है। वह शिक्षक भी थे। शिक्षण दायित्व भी उन्होंने निभाया। पुणे के फ़िल्म एंड टेलिविजन इंस्ट्यूट ऑफ इंडिया में उनसे सीखे-पढ़े नई पीढ़ी के लोग यदि श्याम बेनेगल की कुछ राह भी तय कर पाए तो यह उनके लिए, उनके श्रम व तपस्या के लिए विनम्र आदरांजलि होगी।

भारतीय सिनेमा अपने समय का हस्तक्षेप था, है और रहेगा लेकिन लोकप्रियता और व्यावसायिकता की सफलता वही फ़िल्में पायीं जिनमें दम था या श्याम बेनेगल जैसा जुनूनी निर्देशक था। भारतीय फिल्म उद्योग में सामाजिक रूप से जिम्मेदार और प्रतिबद्ध लोगों की भरपाई करने के लिए श्याम बेनेगल का न होना खटकेगा क्योंकि वह कुछ अलग थे। श्याम बेनेगल को उनके चाहने वाले मायूस हुए हैं क्योंकि वे सर्वदा मौलिक थे।

सामयिक

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

कृषि में नई क्रांति का आगाज हल्दी आयोग

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में हल्दी बोर्ड के गठन की घोषणा की है। गंगा रेड्डी को बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे हल्दी की उन्नतशील खेती में किसानों को जहाँ मदद मिलेगी दूसरी तरफ वैश्विक बाजार पर भारत का सौ फीसदी कब्जा होगा। क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हल्दी उत्पादन और ख़पत करने वाला देश है। वैश्विक जरूरत की 70 फीसदी की आपूर्ति भारत करता है। हल्दी के निर्यात को पांच साल में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

हल्दी हमारे संस्कृति और संस्कार में बसी है। हाथ पीले करने के लिए हल्दी आवश्यक है। हमारे यहाँ हल्दी को शुभ माना जाता है। हमारे यहाँ कोई भी संस्कार बगैर हल्दी के संम्पन्न नहीं होता है। जीवन के आगमन और महाप्रयाण में भी हल्दी का अपना महत्व है। हल्दी आयुर्वेद की सबसे गुणकारी औषधि है यह एंटीबायोटिक भी है। लेकिन अब भारतीय हल्दी किसानों के लिए एक अच्छी खबर आयी है। केंद्र सरकार ने हल्दी किसानों की 40 सालों से चली आ रही लबी मांग को मान लिया है। सरकार ने हल्दी आयोग (Turmeric Board) का गठित करने की अधिसूचना जारी कर दिया है। बोर्ड का मुख्यालय तेलंगाना के निज़ामबाद में होगा।

देश के हल्दी किसान जहाँ संवृद्ध होंगे वहीं हल्दी निर्यात में भारत का अपना दबदबा होगा। भारत में सबसे अधिक हल्दी का उत्पादन दक्षिण भारत में होता है। आयोग के गठन से जहाँ हल्दी की नई -नई प्रजातियों का विकास होगा। इसके अलावा हल्दी का कृषि क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर व्यपाक होगा। देश के दूसरे हिस्सों में भी शोध के जरिए जलवायु और मिट्टी की गुणवत्ता से हल्दी की नई प्रजाति का विकास कर इसके उत्पादन को और व्यापक बनाया जा सकता है। इससे जहाँ हल्दी के किसानों की आय दोगुनी होगी वहीं दुनिया के हल्दी बाजार पर भारत का एकाधिकार होगा। देश के तक़रीबन 20 राज्यों में हल्दी की खेती व्यापक पैमाने पर होती है। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मेघालय जैसे राज्य शामिल हैं। हल्दी बोर्ड जहाँ अच्छे उत्पादन देने वाली किस्मों का विकास करेगा। जिसका लाभ देश के किसानों को मिलेगा। हल्दी से जहाँ कई दवाएं बनती है वहीं सौंदर्य प्रसाधन में भी हल्दी का प्रयोग होता है।हमारे जीवन में हल्दी का बहुत उपयोग है।

निश्चित रूप से हल्दी बोर्ड सरकार के अन्य मंत्रालयों और विभागों से मिलकर हल्दी के निर्यात की रणनीति बनाएगा। भारत ने बीते साल 2023-2024 में 226.5 मिलियन डॉलर की हल्दी का निर्यात किया। कुल 1.62 लाख टन हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। बोर्ड के गठन के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसन्धान से गुणवता परक हल्दी का निर्यात ग्लोबल स्तर पर होगा। भारत को एक टिकाऊ स्पर्धा का बाजार उपलब्ध कराएगा। इससे जहाँ हल्दी का उत्पादन बढ़ेगा वहीं निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि होगी।

सरकार को परम्परागत कृषि को संवृद्ध करने के साथसाथ औषधिय खेती और दूसरे कृषि उत्पाद पर भी इस तरह के आयोग का गठन करना चाहिए। जिसका प्रभाव दुनिया के कृषि बाजार पर व्यपाक होगा। देश का किसान जहाँ आर्थिक रूप से संवृद्ध होगा और दूसरी तरफ भारतीय कृषि उत्पादों का एकाधिकार बढ़ेगा। कृषि के वैश्विक बाजार पर पकड़ बनाने के लिए भारत के पास अपार संभवानाएं हैं। अब सरकार किसानों के लिए कितना कुछ कर पाती है यह उस पर निर्भर है।

भारत में गतवर्ष यानी 2023-2024 में 3.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में हल्दी की खेती कर 10.74 लाख टन उत्पादन किया गया। हमारे यहाँ हल्दी की तीस प्रजातियों की खेती की जाती है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती की गई थी और इस दौरान उत्पादन 11.61 लाख टन रहा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक हल्दी उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक है और यहां हल्दी की 30 किस्में उत्पादित की जाती हैं। सरकार को उम्मीद है की पांच साल यानी 2030 तक हल्दी निर्यात एक बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। केंद्र ने हल्दी बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दिया है।

दुनिया के हल्दी उत्पादन में भारत अग्रणी है। यह विश्व के कुल हल्दी उत्पादन का 60 से 70 फीसदी उत्पादन किया जाता है। साल 2022 और 2023 में 380 देशों को हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। जिससे 207.45 मिलियन अमरीकी डॉलर की आय हुई। भारत के प्रमुख हल्दी आयातकों में अमेरिका, यूएई, मलेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं। हल्दी आयोग का निश्चित रूप से एक खुली पारदर्शी कृषि नीति है। हल्दी की खेती करने वालों के लिए एक सुखद परिणाम लेकर आएगी।

सरकार को इस तरह की और खेती को बढ़ावा देना चाहिए। कृषि नीति को और कारगर और प्रभावशाली बनाने की जरूरत है। खेती में सरकार के पास असीमित शोध का क्षेत्र है। वैश्विक बाजार का अध्ययन कर देश को खेती के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा करनी होगी। हमें किसानों के लिए ऐसा कृषि विकल्प लाने की जरूरत है जिसमें लगत कम हो और किसानों को लाभकारी मूल्य मिले। जिससे जहाँ किसान आर्थिक आमदनी तय करेगा वहीं वह नयी खेती की तरफ उसका रुझान बढ़ेगा। इसके अलावा भारत को मौसम, मृदा और जलवायु के हिसाब से कृषि क्षेत्र में विभाजित कर कृषि निर्धारण करना चाहिए।

पर्व विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सकट चौथ : आस्था, परंपरा और श्रद्धा का संगम

पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 17 जनवरी को प्रातः 4 बजकर 6 मिनट पर शुरू हो रही है, जिसका समापन 18 जनवरी को प्रातः साढ़े पांच बजे पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी का व्रत 17 जनवरी को किया जाएगा। इस दिन विघ्नहर्ता और संकटों को दूर करने वाले भगवान गणेश की पूजा करने और व्रत रखने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन गणपति बप्पा की विधि-विधान पूर्वक पूजा-व्रत करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस विशेष अवसर पर महिलाएं संतान की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। महिलाएं इस दिन निर्जला व्रत करके रात को चंद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत पूर्ण करती हैं और अपने बच्चों लिए प्रार्थना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्र देव को जल अर्पित करने से संतान को रोग नहीं होता और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह भी मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और संतान को लंबी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

प्रतिवर्ष माघ महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को 'संकष्टी चतुर्थी' मनाई जाती है, जिसे 'सकट चौथ', वक्रकुंडी चतुर्थी, तिलकुटा चौथ के नाम से भी जाना जाता है। संकष्टी चतुर्थी अर्थात् संकटों को हरने वाली चतुर्थी। नारद पुराण के अनुसार प्रत्येक मास में दो चतुर्थी होती हैं और माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के व्रत का बहुत महत्त्व है। अमावस्या के बाद आने वाली शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को 'विनायक चतुर्थी' तथा पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को 'संकष्टी चतुर्थी' कहा जाता है। इस चतुर्थी को 'माघी चौथ', 'सकट चौथ' तथा 'तिल चौथ' भी कहा जाता है।

पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 17 जनवरी को प्रातः 4 बजकर 6 मिनट पर शुरू हो रही है, जिसका समापन 18 जनवरी को प्रातः साढ़े पांच बजे पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी का व्रत 17 जनवरी को किया जाएगा। इस दिन विघ्नहर्ता और संकटों को दूर करने वाले भगवान गणेश की पूजा करने और व्रत रखने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन गणपति बप्पा की विधि-विधान पूर्वक पूजा-व्रत करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस विशेष अवसर पर महिलाएं संतान की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। महिलाएं इस दिन निर्जला व्रत करके रात को चंद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत पूर्ण करती हैं और अपने बच्चों लिए प्रार्थना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्र देव को जल अर्पित करने से संतान को रोग नहीं होता और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। यह भी मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और संतान को लंबी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

संतानों को सभी प्रकार की आपदाओं से बचाने के लिए यह व्रत किया जाता है। मान्यता है कि संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने से रुके हुए मांगलिक कार्य भी सम्पन्न होते हैं और इस दिन चन्द्रमा के दर्शन से भगवान गणेश के दर्शन का भी पुण्य फल मिलता है।

भगवान गणेश को बुद्धि के स्वामी तथा चंद्रमा को मन के स्वामी माना गया है और इन दोनों के संयोग के परिणामस्वरूप यह व्रत मानसिक शांति, कार्यों में सफलता, प्रतिष्ठा में बुद्धि और घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर करने में सहायक सिद्ध होता है। सभी मुहूर्त ग्रंथों के अनुसार इस व्रत को सविधि सम्पन्न करने के लिए एक ही नियम है कि चंद्रमा का उदय और चतुर्थी दोनों का संयोग होना चाहिए यानी चंद्रमा को अर्ध्य तभी दिया जा सकता है, जब चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय हो रहा हो और चन्द्र देव अर्ध्य तभी स्वीकार करेंगे, जब वे चतुर्थी तिथि में विद्यमान हो क्योंकि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होती है और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा-पाठ करने से भगवान गणेश जीवन में सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करते हैं। मान्यता है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजा-पाठ वर्ष पर्यन्त सुख-शांति और पारिवारिक विकास में सहायक सिद्ध होता है। वैसे तो भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए इस व्रत को कोई भी कर सकता है लेकिन अधिकांशतः सुहागिन स्त्रियां ही परिवार की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत करती हैं।

संकष्टी चतुर्थी को तिलकुट, सकट चौथ, माघ चतुर्थी इत्यादि कई नामों से जाना जाता है। बिहार तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस व्रत को 'तिलवा' और 'तिलकुटा' भी कहा जाता है। वैसे तो संतान की तरक्की और उसकी खुशहाली के लिए संकष्टी चतुर्थी पर्व देश के कई राज्यों में मनाया जाता है लेकिन खासकर उत्तर भारतीयों का यह प्रमुख पर्व है। हिन्दू शास्त्र परम्परा के अनुसार इस दिन गुड़ और तिल का पिंड बनाकर उसे पर्वत रूप समझकर दान किया जाता है, जिसे गुड़-धेनु कहा जाता है। इस दिन महिलाएं प्रातः स्नान के बाद निर्जला व्रत रखती हैं और चंद्र दर्शन के पश्चात् व्रत खोलती हैं। कुछ स्थानों पर महिलाएं इस दिन कुछ नहीं खाती, वहीं कुछ स्थानों पर महिलाएं व्रत खोलने के बाद खिचड़ी, मूंगफली और फलाहार करती हैं। शकरकंद खाने का इस दिन सर्वाधिक महत्व माना गया है। इस व्रत में काले तिल और गुड़ से बने गणेश को भोग लगाया जाता है और उन्हें चावल का बना आटा भी चढ़ाया जाता है। अन्य सभी देवी-देवताओं में भगवान गणेश को प्रथम पूजनीय माना गया है और भगवान गणेश के लिए किए जाने वाले अन्य सभी व्रतों में संकष्टी चतुर्थी व्रत काफी प्रचलित है, जिसे तिलकूट चतुर्थी भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सकट चौथ की कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें एक कथा काफी प्रचलित है। कथानुसार, एक बार देवों के देव महादेव भगवान शिव ने गणेश और कार्तिकेय से पूछा कि तुम दोनों में से कौन देवताओं के कष्टों का निवारण कर सकता है। दोनों ने ही स्वयं को इस कार्य के लिए सक्षम बताया। तब भगवान शिव ने कहा कि तुम दोनों में से जो भी सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके आएगा, वही देवताओं की मदद करने जाएगा। यह सुनते ही कार्तिकेय अपने वाहन मोर पर बैठकर पृथ्वी की परिक्रमा के लिए निकल गए किन्तु गणेश सोचने लगे कि यदि वे अपने वाहन चूहे के ऊपर चढ़कर सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे तो उन्हें इस कार्य में बहुत समय लग जाएगा। तभी उन्हें एक उपाय सूझा और वे अपने स्थान से उठे तथा अपने माता-पिता की सात परिक्रमा करके वापस वहीं बैठ गए। परिक्रमा करके लौटने पर कार्तिकेय ने स्वयं को विजयी बताया। भगवान शिव ने गणेश से पृथ्वी की परिक्रमा नहीं करने का कारण पूछा तो गणेश जी ने कहा कि माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोक हैं। यह सुनकर भगवान शिव ने गणेश को ही देवताओं के संकट दूर करने की आज्ञा दी और उन्हें आशीर्वाद दिया कि चतुर्थी के दिन जो तुम्हारा श्रद्धापूर्वक पूजन करेगा और रात्रि में चंद्रमा को अर्ध्य देगा, उसके सभी कष्ट दूर हो जाएंगे। ऐसी मान्यता है कि भगवान गणेश ने माता पार्वती और भगवान शिव की परिक्रमा सकट चौथ के ही दिन की थी, जिस कारण इस व्रत का विशेष महत्व माना गया है।

सुधाकर बने बैतूल भाजपा जिला अध्यक्ष

सभी विधायकों की मिली सहमति, अब तक जिला महामंत्री की थी जिम्मेदारी

बैतूल। भाजपा ने सुधाकर पवार को बैतूल जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी द्वारा बुधवार रात को जिला अध्यक्षों की लिस्ट जारी करते हुए उनके नाम की घोषणा की। 55 वर्षीय पवार वर्तमान में पार्टी के जिला महामंत्री हैं, और बैतूलबाजार नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

पवार को उनकी कार्यकुशलता, कुशल नेतृत्व और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में तहसील बौद्धिक प्रमुख के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। सुधाकर पवार न केवल राजनीति में, बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं। क्षत्रिय पवार समाज के सचिव पद पर रहते हुए उन्होंने समाज के लिए कई काम किए है। नगर परिषद बैतूलबाजार के अध्यक्ष पद पर रहते हुए जनता द्वारा सीधे चुने जाने वाले लोकप्रिय नेता के रूप में उनकी पहचान बनी। सुधाकर पवार के नाम पर केंद्रीय राज्यमंत्री और सांसद और जिले के पांचों विधायकों ने अपनी सहमति दी है। पार्टी में उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ओबीसी चेहरे के रूप में उन्हें यह कमान सौंपी गई है। उन्हें बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल का कट्टर समर्थक माना जाता है।

कार्यकर्ता हूँ, कार्य करता रहूंगा : पवार

संगठन पर्व के समापन अवसर पर बोले नवनिर्वाचित भाजपा जिलाध्यक्ष

बैतूल। भाजपा संगठन पर्व के समापन अवसर गुरुवार को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित सम्मान समारोह में जनप्रतिनिधियों,पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूँ कार्य करता रहूंगा। निवर्तमान जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला के नेतृत्व में पिछले 4 वर्षो से महामंत्री के दायित्व पर रहते हुए हर कार्यक्रम को उत्साह के साथ चुनौती मानते हुए संपन्न किया है। भाजपा में हर वरिष्ठ नेतृत्व की हर कार्यकर्ता पर नजर होती है आपके सहयोग और मार्गदर्शन से आपकी अपेक्षाओं को पूरा करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। हम सब कार्यकर्ता मिलकर जिले से कांग्रेस को समाप्त करेगें। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि भाजपा एक देव परिवार है। जिसके हर सदस्य का लक्ष्य राष्ट्र धर्म और संस्कृति के लिए कार्य करना है यह लक्ष्य हमें अथक परिश्रम की प्रेरणा देते है। इस अवसर पर जनअभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इतनी सरलता से परिवर्तन अपने मातृ संगठन से सिखा है किसी भी पंक्ति का कार्यकर्ता सर्वोच्च स्थान पर पहुंच सकता है। हमारे वर्तमान का नाम आदित्य और वर्तमान का नाम सुधाकर है जिनके शाब्दिक अर्थ क्रमशः सूर्य और चंद्रमा होते है। भाजपा अब दिन रात काम करने वाली पार्टी है। इस अवसर पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा एक परिवार है जहां प्रेम प्यार और अनुशासन का ही असर है कि 1980 के बाद भाजपा के जितने भी जिलाध्यक्ष रहे वह आज हमारे बीच में मार्ग दर्शन के लिए मौजूद है। देश की जरूरत भाजपा है अपनी महत्वाकांक्षा को पीछे छोडकर हम कमल के फूल के साथ चलते है। इस अवसर पर मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा कि आज जो संगठन का निर्माण हुआ है उसमें वरिष्ठो का मार्ग दर्शन और युवाओं का उत्साह देखने को मिलता है नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष पार्टी को श्रेष्ठ मुकाम पर पहुंचाए ऐसी अपेक्षाएं है। इस अवसर पर आमला विधायक डा.योगेश पंडाग्रे ने कहा कि जिस तरह पद का हस्तांतरण भाजपा में होता है वैसा किसी राजनीतिक दल में नहीं है। दुनिया में एक ही चीज स्थाई है वह परिवर्तन है। संगठन को बेहतर करने की जिम्मेदारी हम सबकी है। हम सब मिलकर इस इमारत को और अधिक मजबूत करेगें। इस अवसर पर घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा उइके ने कहा कि जिस तरह संगठन आज मजबूत हुआ है। उसके परिणाम हमें चुनावो में देखने को मिले है। आने वाले समय में भी भाजपा और मजबूत बने इसके लिए नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को शुभकामनाएं एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष को आभार। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि कार्यकर्ताओ के अथक परिश्रम और उत्साह से सकारात्मक परिणाम आए है। परिवर्तन सामान्य प्रक्रिया है हम सब मिलकर नई सफलता रचे यह भावना बनी रहना चाहिए अपने कार्यकाल में अगर किसी को डॉटा भी है तो उसके पिछे कोई दुर्भावना नही थी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री कमलेश सिंह ने एवं अंत में आभार जिला मंत्री अतीत पंवार ने व्यक्त किया। इस सम्मान समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद राठौर, अलकेश आर्य, राजा ठाकुर, जितेन्द्र वर्मा, अनिलसिंह कुशवाह, जितेन्द्र कपूर, वसंत बाबा माकोडे, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, वर्षा मालवीय, दुर्गावती वर्मा, सुषमा जगताप, पूर्व नपाध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हेमलता कुंभारे,वरिष्ठ नेता रमेश मिश्रा,राकेश द्विवेदी, घनश्याम मदान, पीजे शर्मा, सुनील शर्मा इत्यादि प्रमुख रूप से मंचासीन रहे।

गरीब बच्चों की मदद के लिए आगे आया खंडेलवाल परिवार

चिचढाना के 80 बच्चों को स्वेटर और सामग्री का वितरण

बैतूल। दर्द किसी का देखकर जो आह निकल जाती है, बस इतनी सी बात हमें इंसान बना जाती है। इसी भावना को जीते हुए बैतूल के वरिष्ठ समाजसेवी, कर सलाहकार राजीव खंडेलवाल और उनके परिवार ने शासकीय माध्यमिक शाला चिचढाना के छात्रों के लिए एक सराहनीय कदम उठाया। सतपुड़ा की सुरम्य वादियों और मां ताप्ति के तट पर स्थित ग्राम चिचढाना की शाला में अध्ययनरत 80 विद्यार्थियों को स्वेटर और शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। राजीव खंडेलवाल ने बताया कि ताप्ति प्रवास के दौरान उन्होंने देखा कि ठंड के कारण बच्चे बिना स्वेटर के स्कूल जाने को मजबूर हैं और गरीबी के चलते उनके पास शिक्षण सामग्री का भी अभाव है। यह दृश्य देखकर उन्होंने प्रण लिया कि अपनी आय का एक हिस्सा इन बच्चों की मदद के लिए समर्पित करेंगे। पिछले तीन वर्षों से यह परिवार जी. डी. खंडेलवाल ट्रस्ट के माध्यम से चिचढाना शाला के कक्षा पहली से आठवीं तक के छात्रों को गोद लेकर उनकी जरूरतें पूरी कर रहा है।

हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रतिभावान विद्यार्थियों का करते हैं सम्मान- राजीव खंडेलवाल और उनके पुत्र योगी खंडेलवाल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चिचढाना पहुंचकर कक्षा पहली से आठवीं तक के प्रथम और द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण छात्रों को सम्मानित करते हैं। इसके अलावा साल में दो से तीन बार शाला का दौरा कर छात्रों की अन्य जरूरतें और पढ़ाई के स्तर की जानकारी लेते हैं। इस वर्ष आयोजित स्वेटर और शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम में संस्था प्रमुख विजय कुमार तेलकर, वरिष्ठ शिक्षक संजय धुर्वे, वामनराव धोटे, दिनश मर्सकोले, धर्मेन्द्र नामदेव, एसएमसी अध्यक्ष मंगल उईके और ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने खंडेलवाल परिवार की इस नेक पहल की सराहना की।

एक्यूप्रेशर सुजोक प्राकृतिक थेरेपी शिविर आज से

बैतूल। श्री जैन स्थानक कोठी बाज़ार बैतूल के तत्वावधान में 6 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन श्री जैन स्थानक कोठी बाजार में आज शुक्रवार से किया जा रहा है। इस शिविर में एक्यूप्रेशर सुजोक प्राकृतिक थेरेपी से कमर दर्द, घुटनों का दर्द, सर्वाइकल, सायटिका,जोड़ों का दर्द, लकवा, शुगर, बीपी, मोटापा, माइग्रेन, हाथ पैरों में झुनझुनी होना आदि अनेक बीमारियों का इलाज किया जाएगा। सुबह 9 बजे से 12:30 बजे तक शाम 3:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

गंज मोक्षधाम समिति ने स्कूली बच्चों को वितरित की स्वेटर

बैतूल। गंज मोक्षधाम समिति ने कड़कड़ाती ठंड और शीतलहर को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को गर्म कपड़ों का वितरण किया। समिति के सदस्यों ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय चूरनी (सेहरा) और प्राथमिक शाला जामुन ढाना (खारी) में जाकर सभी बच्चों को स्वेटर वितरित किए।

इस अवसर पर समिति के सदस्य संजू सोलंकी और दीपक साहू ने बताया कि समिति पिछले छह वर्षों से सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय है। गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर यदि परिवार में किसी सदस्य का निधन हो जाता है, तो अंतिम संस्कार की निशुल्क व्यवस्था समिति द्वारा की जाती है। इसके अलावा समिति पर्यावरण संरक्षण के लिए भी लगातार प्रयासरत है और हर वर्ष सैकड़ों पौधों का रोपण करती है। गर्म कपड़ा वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति के संजू सोलंकी, दीपक साहू, मनोरंजन हालदार, पिंकी भाटिया, श्याम इंडिया, इंदी अहलूवालिया और चंद्रपाल सिंह राजपूत उपस्थित रहे। शाला परिवार से प्रधान पाठक सुनील बोरबन, सहायक शिक्षक राजेश्वर कासार, शारदा धोते, नीलू एनिया तथा जामुनढाना स्कूल से प्रधान पाठक रामेश्वर राठौर और सहायक शिक्षक दिनेश मालवी मौजूद रहे। समिति के इस पुनीत कार्य की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

कमलेश छित्रार बने अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत के जिलाध्यक्ष

बैतूल। अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायत की बैठक में बैतूल जिले के जिलाध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से कमलेश छित्रार को नियुक्त किया गया। इस फैसले से जिलेभर के वाल्मीकि समाज में उत्साह और खुशी का माहौल है। कमलेश छित्रार की इस नियुक्ति पर पवन भाटिया, राकेश गोहर, विक्रम भाटिया, दुर्गेश छित्रार, देवीदास खातरकर, सोनू धोरपुरिया, सोहनलाल राठौर, राकेश भाटिया, सोहन सरसोदिया, अनिल गोहर, कमल गोहर, पप्पू गोहर, नीलेश चावरिया, उमेश चंडालिया और समस्त वाल्मीकि परिवार ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

जिलाध्यक्ष पद पर पहली बार महिला को कमान

प्रीति शुक्ला जिलाध्यक्ष नियुक्त..

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल आधा सैकड़ा पुरुष प्रत्याशियों को पीछे छोड़ते हुए पहली बार जिला अध्यक्ष की दौड़ में महिला प्रत्याशी ने जिले में अपना नाम दर्ज कराया है। अबतक विवादास्पद रहे वर्तमान पार्टी जिलाध्यक्ष को इस बार संगठन ने मौका तो नहीं दिया लेकिन सबसे ज्यादा विवादास्पद रहे जिलाध्यक्ष को संगठन ने नहीं नकारा भी नहीं.? पार्टी के महत्वपूर्ण पद पर अगर वे नहीं तो उनके विरोधी भी मौका नहीं इसलिए संगठन ने जिलाध्यक्ष की कार्यकारिणी में शामिल रही कर्मठ जुझारू महिला प्रीति शुक्ला को पार्टी जिला अध्यक्ष नियुक्त कर सारा विरोध खत्म कर इस बार महिला सशक्तिकरण का मजबूत करते हुए पार्टी की कमान सौंपी है। उनकी नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों ने बधाई प्रेषित कर पार्टी आलाकमान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जिले में बढ़ चुके कार्यकर्ताओं के बीच विवादों को खत्म करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सराहना कर रहे हैं।

संगठन पर्व को लेकर जिला भाजपा की बैठक नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का किया स्वागत

संविधान का गला घोंटने वाली कांग्रेस कर रही संविधान बचाने की बात, रहे सावधान : डॉ. राज बर्फा

धार। जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व एवं संविधान गौरव दिवस अभियान को लेकर संगठनात्मक धार और धार ग्रामीण के मंडल अध्यक्ष जिला प्रतिनिधि की संयुक्त बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक जिला चुनाव सह अधिकारी डॉ राज बर्फा के मुख्य आतिथ्य एवं जिला भाजपा के अध्यक्ष मनोज सोमानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षो का स्वागत भी किया गया। सर्व प्रथम भारतमाता संविधान निर्माता डॉ अंबेडकर पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर बैठक आरंभ हुई।

डॉ राज बर्फा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन पर्व के दौरान जिले के सभी कार्यकर्ताओं ने जिस प्रकार पूर्ण निष्ठा भाव से समर्पित हो कर कार्य किया और जिले में संगठन पर्व के तहत चुनावी प्रक्रिया को सम्पन्न कराया उसके लिये सभी बधाई के पात्र है। जो अब नये

मंडल अध्यक्ष बने है वे सभी पार्टी का कार्य पूर्ण निष्ठा से समर्पण भाव से करेंगे ऐसी उम्मीद है। पार्टी ने जो आगामी कार्यक्रम दिये है आज उसकी भी रूप रेखा बनाई गई।

डॉ बर्फा ने कहा कि संविधान के मूल हिस्से में 93 संशोधन करने वाली कांग्रेस, बाबा साहब को अपमानित करने का कलंक करने वाली कांग्रेस, आज भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और संविधान बचाने की बात कर रही है। ऐसी कांग्रेस से हम सभी को सावधान रहने की आवश्यकता है, जो कांग्रेस जीते जी बाबा साहब अंबेडकर का कभी सम्मान नहीं किया।

स्वदेशी मेले में धार-इंदौर के कलाकारों ने दी देश-धर्म प्रेम आधारित प्रस्तुतियां, मां वाग्देवी का किया पूजन

पंच परिवर्तन के विचार स्वर्णिम भारत निर्माण का है आधार : सोमानी

धार। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पंच परिवर्तन के विचारों को लेकर स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। एक समय में हमारा देश सोने की चिड़िया था। यहां का ज्ञान, कला, कौशल पूरे विश्व के लिए अध्ययन का माध्यम था। स्वर्णिम भारत निर्माण के लिए वर्तमान में पंच परिवर्तन के विचारों का अनुसरण अति आवश्यक है। यह देश की एकता, अखंडता का आधार है। भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी ने बुधवार को स्वदेशी मेले में बतौर अतिथि संबोधित करते हुए कही। इस दौरान अतिथि एसडीएम रोशनी पाटीदार, सीएसपी रवीन्द्र वास्कले, तहसीलदार दिनेश उईके भी मौजूद थे। अन्य अतिथियों ने मेले के आयोजन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी के प्रति प्रेम और उसका उपयोग उपभोग करना भी एक प्रकार की देश भक्ति ही है। सस्ती विदेशी वस्तुओं की अपेक्षा स्वदेश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग हमें नियमित रूप से करना चाहिए।

जिले को गौरवान्वित वाले शख्सियतों का सम्मान...- स्वदेशी मेले में पहुंचे अतिथिद्वय का स्वागत, सत्कार मेला संयोजक मिलन पाल, दीपक बिड़कर, ममता जोशी, कालीचरण सोनवानिया, ने किया गया। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा मां वाग्देवी की मूर्ति की पूजा-आरती की गई। इधर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला में समाज और

जिले को गौरवान्वित करने वाली शख्सियतों का सम्मान किया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिथिद्वयों की मौजूदगी एवं मप्र मेला समिति के प्रमुख रमणवीरसिंह अरोरा की मौजूदगी में आईएएस संस्कृति सोमानी एवं आईपीएस सुश्री जैन को मिली उपलब्धि पर उनके परिजन मनोज सोमानी एवं दीपक जैन का सम्मान सत्कार भी किया गया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। सांस्कृतिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोग जुट रहे है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, मेले में उमड़ी भीड़.- सांस्कृतिक कार्यक्रम में इंदौर और धार के कलाकारों ने समूह नृत्य की प्रस्तुतियां दी। दर्शकों की पसंद पर धार्मिक गीत 'ये जो केसरी लाल' गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त ममता डामोर, वंशिका जोशी, सुश्री यादव, कनक फडनीस, कशिश राठौर, आराध्या शर्मा, अनवि, पद्मना फडनीस, सुप्रिया सहित अन्य कलाकारों ने रामायण के प्रसंग का नृत्य गीत के माध्यम से प्रदर्शन किया। जिले की लोक परंपराओं को भी गीतों के माध्यम से दर्शाया गया। भगवान श्रीकृष्ण सहित अन्य देवों के प्रसंग पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं प्रस्तुत की गई। आकर्षक मंच और रंग-बिरंगी रोशनियों के बीच पीछे बने स्क्रीन पर गीत के बोल का साथ देते हुए प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण, केसरिया ध्वज, तिरंगा ध्वज दर्शाए जा रहे थे, जो माहौल को अद्भूत बना रहे थे।

स्वदेशी मेले को बेहतर प्रतिसाद मिला- स्वदेशी जागरण मंच द्वारा पहली मर्तबा धार में आयोजित किए गए स्वदेशी मेले को बेहतर प्रतिसाद मिला है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मेले को एक उद्देश्य प्रदान किया है। इसमें आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से शहर के लोग धर्म, देश एवं लोक कला से रूबरू होकर जुड़े है। मेले में स्वदेशी घरेलू उत्पाद सहित व्यंजनों एवं अन्य प्रकार के स्टॉल का लोगों ने बीते 6 दिनों मे भरपूर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में समाजसेवी संजीव अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा, विशाल निगम, आरआई दिनेश व्यास सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

अधिकारी-कर्मचारी बोले, मांगें पूरी करो, पुरानी पेंशन बहाल करो

46 सूत्रीय मांगों को लेकर मुखर हुए अधिकारी- कर्मचारी

बैतूल। मध्यप्रदेश के अधिकारी और कर्मचारी अपनी लंबे समय से लंबित 46 सूत्रीय मांगों को लेकर अब मुखर हो गए हैं। कर्मचारियों के विभिन्न संगठनों ने एकजुट होकर बैतूल कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।

संयुक्त मोर्चा के महामंत्री कमलेश चौहान ने बताया कि वर्ष 2016 से बंद पड़ी पदोन्नति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की मांग की गई है। इसके साथ ही कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ देने, गृह भाड़ा और वाहन भत्ते का पुनरीक्षण करने, नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने, सहायक ग्रेड-3 का ग्रेड पे बढ़ाने, महंगाई भत्ते और एरियर का भुगतान करने जैसी मांगें शामिल हैं। संयुक्त मोर्चा ने यह भी मांग की है कि कर्मचारियों की सेवा समाप्ति की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए, रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए, सभी विभागों में सेवानिवृत्ति की आयु समान की जाए और कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जाए।

इस ज्ञापन को सौंपने में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनमें अनिल कापसे अध्यक्ष, मध्यप्रदेश अधिकारी एवं कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला बैतूल, रवि सरनेकर अध्यक्ष, पुरानी पेंशन बहाली संघ बैतूल, सचिन राय अध्यक्ष, राज्य कर्मचारी संघ बैतूल, नारायण सिंह नगदे अध्यक्ष, जिला शिक्षक महासंघ बैतूल, फिरोज अहमद अध्यक्ष, वन कर्मचारी संघ बैतूल, राजेन्द्र कटारे अध्यक्ष, आदर्श शिक्षक संघ बैतूल, कमलेश चौहान अध्यक्ष, लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ बैतूल, मदन डढोरे अध्यक्ष, आम अध्यापक संघ बैतूल, शकुंतला शर्मा अध्यक्ष, कर्मचारी कांग्रेस बैतूल, मनीष उदासी अध्यक्ष, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ बैतूल, आकाश प्रधान अध्यक्ष, मध्यप्रदेश वन एवं वन्य प्राणी कर्मचारी संघ बैतूल, प्रकाश माकोड़े अध्यक्ष, न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ बैतूल और एस.आर. पडाग्रे अध्यक्ष, अपाक्स कर्मचारी संघ बैतूल शामिल हैं।

सरकार से शीघ्र समाधान की मांग- संयुक्त मोर्चा ने अपने ज्ञापन में कहा है कि सरकार इन मांगों पर शीघ्र कदम उठाए, ताकि कर्मचारियों को हो रही समस्याओं का समाधान हो सके। मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो प्रदेशभर के कर्मचारी आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि सरकार को कर्मचारियों के हित में निर्णय लेने चाहिए, जिससे सभी विभागों में बेहतर कार्यप्रणाली सुनिश्चित हो सके। कर्मचारियों की मांगें उनकी जरूरत और न्याय का हिस्सा हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

आक्रोशित स्थाईकर्मी बोले, आठ साल से कर रहे इंतजार, अब और नहीं सहेंगे अन्याय

सैकड़ों कर्मचारियों ने सागौन बगीचे से कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बैतूल। मध्य प्रदेश स्थाईकर्मी कल्याण संघ ने अपनी लंबित समस्याओं और मांगों को लेकर 15 जनवरी को सागौन बगीचे से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बुंदेले के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में स्थाईकर्मियों, वन सुरक्षा श्रमिकों और अंशकालीन कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि जिले में 8 वर्षों से स्थाईकर्मियों और अंशकालीन कर्मचारियों का नियमितिकरण लंबित है, जबकि अन्य जिलों जैसे विदिशा, रायसेन, सिवनी और छिंदवाड़ा में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। संगठन ने मांग की कि समस्त विभागों में चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर स्थाईकर्मियों को नियुक्त किया जाए और सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए। साथ ही, चिकित्सा सुविधा, चिकित्सा अवकाश, अर्जित अवकाश,

अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन की पात्रता सुनिश्चित की जाए।

वन सुरक्षा श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें न्यूनतम वेतन दर के अनुसार भुगतान नहीं किया जा रहा। पूर्व में 7,500 रुपये वेतन मिलता था, जो अब घटकर 3 हजार से 6 हजार तक रुपये रह गया है। श्रमिकों ने मांग की कि श्रमायुक्त द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दर से भुगतान किया जाए और माह में पूरे 30 दिन का वेतन सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन में वनवृत्त बैतूल से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया। 1988 के पूर्व के दैनिक वेतनभोगियों का अप्रैल 1999 में नियमितिकरण हुआ था, लेकिन दिवंगत विजय सोनी जैसे कर्मचारियों का नियमितिकरण न होने के कारण उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। सोनी ने आत्महत्या कर ली, जिसके बाद उनके परिवार को कोई सहायता नहीं मिली। संगठन ने उनके बेटे संजय सोनी को दैनिक वेतन पर नियुक्ति और परिवार को ग्रेच्युटी तथा अन्य सहायता राशि देने की मांग की। इसके अलावा, कृष्णा वाड़बुदे, स्थाईकर्मी, दक्षिण वन मंडल के सेवा पृथक्कीकरण को षड्यंत्रपूर्ण बताते हुए बहाली की मांग की गई। रैली और ज्ञापन देने में प्रदेश सचिव संतोष यादव, संरक्षक कृष्णा वाड़बुदे, संगठन के प्रमुख कार्यकर्ता और सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित थे। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

एम्स में सांस्कृतिक महोत्सव रेटिना का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'रेटिना-7.0' का आयोजन 15 से 19 जनवरी 2025 के बीच किया जा रहा है। प्रो. सिंह ने 16 जनवरी को इस पांच दिवसीय महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। यह महोत्सव रचनात्मकता, खेलभावना और संस्कृति का उत्सव है, जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, प्रतियोगिताएँ और शानदार प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

महोत्सव के पहले दिन डुएट डांस, रंगोली, सोलो क्लासिकल गीत, क्विज, फैशन शो आदि कर्यक्रम का आयोजन किया गया तथा अधिरोह बैंड द्वारा गीत-संगीत का प्रदर्शन किया गया। इस दिन, जब आमतौर पर मेडिकल छात्र सफेद कोट में दिखाई देते हैं, तब वे रंगीन वेशभूषा और विभिन्न रूप-रंग में सजे नजर आए।

इस दिन का प्रमुख आकर्षण एम्स के एमबीबीएस छात्रों द्वारा ग्रीक मिथक थीम पर प्रस्तुत रैम्प वॉक था। इस रैंप वॉक कार्यक्रम में एम्स एमबीबीएस विनर और निफ्ट भोपाल फर्स्ट रनर अप रहा। रेटिना महोत्सव के दूसरे दिन, डुएट डांस क्लासिकल, रॉक पेंटिंग, स्ट्रीट प्ले और आशीष सोलंकी की स्टैंड-अप कॉमेडी का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार के दिन मेहंदी, फेस पेंटिंग, आर्म रेसलिंग और रात में प्रसिद्ध गायक शान का कार्यक्रम होगा।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, रेटिना-7.0 सिर्फ एक सांस्कृतिक महोत्सव नहीं है, बल्कि यह रचनात्मकता, टीमवर्क और एकता की भावना का प्रतीक है। यह महोत्सव हमारे छात्रों को अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने और उस सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने का एक मंच प्रदान करता है, जो हमें एकजुट करती है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की जन सुनवाई 17 को

भोपाल। मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग समूह के लिये 17 जनवरी को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई आयोजित की गई है। संबंधित समुदायों के प्रतिनिधि या व्यक्ति अपना पक्ष रखने के लिये 2-बी राजीव गांधी परिसर, 35 श्यामला हिल्स, भोपाल स्थित कार्यालय में दोपहर 12 बजे उपस्थित हो सकते हैं। मध्यप्रदेश के लिये दमामी, फूलमाली (फूलमारी), कलार (जायसवाल), लोढ़ा (तंवर) और कुड़मी वर्ग के संगठन, प्रतिनिधि और व्यक्ति जनसुनवाई में अपना पक्ष रखने के लिये आ सकते हैं। अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) श्री हंसराज गंगाराम अहीर की अध्यक्षता में जनसुनवाई होगी। जिसमें राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री भुवन भूषण कमल, भारत सरकार के राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव श्रीमती ए. नीरजा एवं मध्यप्रदेश की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर शामिल होंगी।

जम्मूतवी स्टेशन पर कार्य के चलते गाड़ियां अस्थायी रूप से निरस्त

भोपाल। उत्तर रेलवे के जम्मूतवी स्टेशन पर री-डेवलपमेंट एवं यार्ड कनेक्शन के एनआई (नॉन-इंटरलॉकिंग) कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली निम्नांकित यात्री गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

1. गाड़ी संख्या 12751 नांदेड - जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 21.02.2025 और 28.02.2025 को कुल 2 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
2. गाड़ी संख्या 12752 जम्मू तवी - नांदेड एक्सप्रेस दिनांक 23.02.2025 और 02.03.2025 को कुल 2 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
3. गाड़ी संख्या 11077 पुणे जं. - जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 17.02.2025 से 04.03.2025 तक कुल 16 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
4. गाड़ी संख्या 11078 जम्मू तवी - पुणे जं. एक्सप्रेस दिनांक 19.02.2025 से 06.03.2025 तक कुल 16 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
5. गाड़ी संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर - श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस दिनांक 01.03.2025 से 05.03.2025 तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
6. गाड़ी संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा - डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस दिनांक 03.03.2025 से 07.03.2025 तक कुल 5 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
7. गाड़ी संख्या 22705 तिरुपति-जम्मू तवी एक्सप्रेस दिनांक 14.01.2025, 21.01.2025, 28.01.2025, 04.02.2025, 11.02.2025, 18.02.2025 और 25.02.2025 को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।
8. गाड़ी संख्या 22706 जम्मू तवी-तिरुपति एक्सप्रेस दिनांक 17.01.2025, 24.01.2025, 31.01.2025, 07.02.2025, 14.02.2025, 21.02.2025 और 28.02.2025 को कुल 7 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

9 साल की बच्ची के साथ बैड टच

मासूम को अकेला पाकर युवक ने की गंदी हरकत, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में 9 साल की बच्ची के साथ बैड टच का मामला सामने आया है। मासूम को अकेला पाकर पड़ोसी ने अश्लील हरकत की। बच्ची ने यह बात अपने परिजन को बताई। फिर परिवार वालों ने मामले की शिकायत थाने में की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला ऐशबाग थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि बच्ची के माता-पिता दोनों काम पर गए हुए थे। वह घर पर अकेली थी। उस समय घर में बिजली भी नहीं थी। इस दौरान किराये में रहने वाला पड़ोसी जीतू भदौरिया अंधेरे का फायदा उठाकर मासूम के साथ अश्लील हरकतें करने लगा।

ऐशबाग थाना प्रभारी जितेंद्र गड़वाल ने बताया कि एक 9 साल की बच्ची के साथ बैड टच की रिपोर्ट आई है। जिसकी शिकायत 15 जनवरी सुबह 10 बजे हुई थी। संबंधित पर पास्को के तरह कार्रवाई करके आरोपी को जेल भेज दिया है।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे की तत्परता

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और प्रभावी निर्णय लिया गया। दिनांक 15.01.2025 को ट्रेन संख्या 22538, लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गोरखपुर (कुशीनगर एक्सप्रेस) जब भोपाल मंडल के बीना स्टेशन पर पहुंची, तो कोच नंबर बी-5 (वातानुकूलित तृतीय श्रेणी) में तकनीकी समस्या पाई गई। समस्या के कारण इस कोच को 'सिक मार्क' कर रैक से अलग करना पड़ा। यात्रियों की सुरक्षा और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ने झांसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक से समन्वय किया और झांसी स्टेशन पर एक अतिरिक्त वातानुकूलित तृतीय श्रेणी कोच की व्यवस्था सुनिश्चित की। उन्होंने निर्देशित किया कि झांसी स्टेशन पर यात्रियों को नए कोच में सुचारू रूप से स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। बीना स्टेशन से गाड़ी को रवाना किया गया और झांसी स्टेशन पहुँचने पर अतिरिक्त कोच को ट्रेन में जोड़ा गया। यात्रियों को तत्परता से नए कोच में स्थानांतरित कर उनकी यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे के लिए यह प्राथमिकता है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा से किसी भी स्थिति में समझौता न हो। यह सुनिश्चित किया गया कि तकनीकी समस्या के बावजूद यात्रियों की यात्रा बाधित न हो और वे अपने गंतव्य तक आरामदायक और सुरक्षित यात्रा करते हुए पहुंच सकें।

एम्स की रेजिडेंट डॉक्टर ने एफओटीआई सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, नेत्र रोग विभाग ने फोरम ऑफ ऑप्थल टीचर्स ऑफ इंडिया वार्षिक सम्मेलन में शानदार शैक्षिक उपलब्धि हासिल की। इस सम्मेलन का आयोजन पीजीआई चंडीगढ़ के एडवांस्ड आई सेंटर में हुआ। जहाँ एम्स भोपाल की शैक्षिक जूनियर रेजिडेंट डॉ. एस्थर ने, प्रो. (डॉ.) भावना शर्मा के मार्गदर्शन में, अपनी प्रस्तुति दी। डॉ. एस्थर की प्रस्तुति का शीर्षक साइनस में ग्लोब का आघातजन्य विस्थापन एक दुर्लभ घटना था, जिसे 30 अन्य प्रतिभागियों के बीच से अंतिम दौर के लिए चुना गया। डॉ. एस्थर ने पहले स्थान प्राप्त किया और 5000 का नकद पुरस्कार जीता। यह इस वर्ष में एम्स भोपाल के रेजिडेंट्स द्वारा जीता गया पांचवां राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार है, जो संस्थान की शैक्षिक उत्कृष्टता को दर्शाता है।

प्रो. सिंह ने इस उपलब्धि पर कहा, फोरम ऑफ ऑप्थल टीचर्स ऑफ इंडिया में यह जीत हमारे रेजिडेंट्स की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। यह एम्स भोपाल में शैक्षिक अनुसंधान और चिकित्सकीय अभ्यास की उच्च गुणवत्ता को उजागर करता है।

शराबबंदी के नाम पर अवैध शराब की तेज होगी बिक्री

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने आज इंदौर, उज्जैन मंदसौर प्रवास के दौरान उज्जैन जिले के उज्जैन विधानसभा सहित घटिया, खेड़ा खजुरिया, महिदपुर, गरोठ, सुवासरा, मंदसौर और मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय कांग्रेसजनों के साथ बैठक कर आगामी 27 जनवरी को आयोजित जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान एवं संगठनात्मक स्तर पर चर्चा की।

श्री पटवारी ने कहा कि अमित शाह ने अंबेडकर जी का संसद में अपमान किया। भाजपा हमेशा संविधान को लेकर आपत्तिजनक और अनर्गल बातें करती है। अमित शाह देश के नेता है, जिस प्रकार उन्होंने अंबेडकर जी और संविधान का अपमान किया है पूरी कांग्रेस संविधान को बचाने के लिए संकल्पित है और कड़ी में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी, सांसद प्रियंका गांधी जी सहित देश के सभी राष्ट्रीय नेता और मध्यप्रदेश के सभी वरिष्ठ नेतागणों की उपस्थिति में बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जन्मस्थली महूं से संविधान की रक्षा और सम्मान को लेकर आगामी 27 जनवरी से जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां पूरे प्रदेश में पूरे जोश और उत्साह के साथ चल रहीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं भी इस अभियान को लेकर पूरे प्रदेश में अधिकांश जगहों पर जाकर इसकी समीक्षा कर रहा हूं। आज इंदौर, उज्जैन, मंदसौर सहित 10 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेसजनों से अभियान और संगठन की स्थितियों को लेकर बैठक की है।

श्री पटवारी ने शराबबंदी को लेकर मीडिया द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब देते हुये कहा कि प्रदेश में जिस प्रकार टोल बंदी की गई और अवैध टोल वसूली जारी रही उसी तरह शराबबंदी के नाम पर अवैध शराब का कारोबार चलता रहेगा। भाजपा सरकार को बने एक साल का समय बीत गया, पूर्व में भी नर्मदा किनारे शराबबंदी की घोषणा की गई थी, लेकिन नर्मदा किनारे एक भी गांव ऐसा नहीं है जहां शराब की बिक्री न हो रही हो?

श्री पटवारी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नये भारत में जो एजेंसियां काम कर रही है, एक आंख से देखती है अपने लोगों को छोड़ती है। यदि सही तरीके से जांच हो तो पूरा मंत्रीमण्डल जेल के अंदर होगा। गोविंद राजपूत तो बाहर रह ही नहीं सकता। उसकी हत्या का आरोप उसके परिवार वालों ने गोविंद राजपूत पर लगाया। गोविंद राजपूत ने 100 करोड़ से ज्यादा की 100 बीघा जमीन दान दे दी, वापस कर दी। कहां से आयी पता ही नहीं चला। जो 50 किलो सोना मिला परिवहन विभाग के आरक्षक सौरभ शर्मा के पास से उसके तार गोविंद राजपूत से जुड़े हैं। श्री पटवारी ने कहा कि मोहन भागवत ने तीन दिन पहले कहा कि देश की आजादी 1947 में नहीं मिली, देश की शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है। जिस संविधान से सर्वधर्म सम्भाव की भावना जागृत हुई मोहन भागवत उसको चुनौती दे रहे हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वृद्धि- दीर्घायु सम्मेलन में एम्स के विशेषज्ञों का योगदान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। प्रो. सिंह से प्रेरित होकर संकाय सदस्य विभन्न शोध कार्यों में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों ने भोपाल के चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन शरीरक्रिया विज्ञान के दृष्टिकोण से आयुर्वृद्धिः दीर्घायु होने का रहस्य खोलना में सक्रिय रूप से भाग लिया।

यह सम्मेलन भारतीय फिजियोलॉजी सोसाइटी और भारतीय फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं को समझना था, जिसमें शारीरिक, नैदानिक, मानसिक और जीवनशैली से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं। इस कार्यक्रम में, एम्स भोपाल के डीन (शोध) डॉ. रेहान-उल-हक ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

उन्होंने स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने के लिए जीवनशैली में बदलाव के महत्व पर जोर दिया, जिसमें संगीत चिकित्सा, सामुदायिक जीवन, पौधे-आधारित आहार और दैनिक शारीरिक गतिविधि शामिल हैं। उन्होंने एम्स भोपाल और चिरायु मेडिकल कॉलेज के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओ) की संभावनाओं पर भी चर्चा की, जो इन क्षेत्रों में शोध और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

भोपाल की मंडियों में जैविक हाट के लिए मिले जगह

भारतीय किसान संघ ने उठाई मांग; सीएम के नाम एडीएम को सौंपा ज्ञापन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हाट बाजार और मंडियों में जैविक हाट के लिए जगह देने की मांग भारतीय किसान संघ ने की है। संघ के पदाधिकारियों ने गुरुवार को एडीएम अंकुर मेश्राम को सीएम डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन भी सौंपा। उनका कहना था कि जैविक हाट खुलने से किसान और ग्राहक दोनों को ही फायदा होगा।

भारतीय किसान संघ के महानगर अध्यक्ष डॉ. अश्वनी मेहर, उपाध्यक्ष एडवोकेट रुचिर तिवारी, डॉ. दिलीप सिंह राजपूत आदि ने दोपहर में कलेक्टोरेट पहुंचकर यह ज्ञापन सौंपा। इस दौरान हुजूर तहसील अध्यक्ष अखिलेश मीणा, नगर मंत्री कुबैर सिंह राजपूत, नगर कार्यालय मंत्री गजेंद्र सिंह सराठे, नगर सह मंत्री आयुष शिवहरे, मीडिया प्रभारी अविनाश द्विवेदी, आकाश राजपूत एवं अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। एडीएम को 10 सूत्री मांग का ज्ञापन सौंपा गया।भोपाल में जैविक बाजार के लिए जगह देने समेत अन्य 10 मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

10 में से यह 4 प्रमुख मांगें- भोपाल शहर में हाट बाजारों व मंडियों में जैविक हाट के लिए स्थान दिया जाए। जिससे शहर में जैविक फल, सब्जियां, अनाज एवं अन्य जैविक खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सके।

भोपाल एवं आसपास के किसान धान पराली ना जलाएं। इसके लिए सरकार धान पराली रोलर सबसिडी किसानों को प्रदान कराए। इसी पराली को वह बंडल करके कार्टन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को दें। जिससे आय के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हो सकेगा।

बाजार में लाल और नीले जहर वाले कीटनाशक उपलब्ध ना हों। इसके लिए सख्त नियम बने। यह कीटनाशक फसल को जहरीला बनाते हैं और आनुवांशिकी पर इसका असर पड़ता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 500 रुपए प्रति हॉर्स पावर के हिसाब से 6 माह में कृषि बिल दिया जाता है। इस प्रकार की व्यवस्था शहरी क्षेत्रों में लागू की जाए।

1500 श्रद्धालुओं को लेकर रवाना हुई भोपाल की पहली कुंभ स्पेशल ट्रेन

भोपाल। महाकुंभ मेला 2025 के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा चलाई जा रही रानी कमलापति-बनारस-रानी कमलापति कुंभ मेला एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन आज सुबह 11:10 बजे रानी कमलापति स्टेशन से बनारस के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 02 से लगभग 1500 यात्रियों को लेकर चली। श्रद्धालु इस ट्रेन के माध्यम से महाकुंभ मेले में शामिल होने के लिए उत्साहित नजर आए।

रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं और यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए इस ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के रानी कमलापति, मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, बुदनी, नर्मदापुरम और इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

गाड़ी संख्या 01661 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 16.01.2025 से 20.02.2025 तक प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार को सुबह 11:10 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10:15 बजे बनारस पहुँचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01662 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 17.01.2025 से 21.02.2025 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को दोपहर 14:45 बजे बनारस से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11:30 बजे रानी कमलापति पहुँचेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और आराम को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में कुल 22 डिब्बे शामिल किए गए हैं, जिनमें 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 07 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकॉनमी, 05 शयनयान श्रेणी और 02 सामान्य श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए, ट्रेन के ठहराव मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, बुदनी, नर्मदापुरम, इटारसी, सोहागपुर, पिपरिया, गाडरवारा, करेली, नरसिंहपुर, श्रीधाम, मदनमहल, जबलपुर जंक्शन, देवरी, सिहोरा रोड, कटनी जंक्शन, झुकेही, मैहर, सतना जंक्शन, जैतवार, मझगवां, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और चुनार स्टेशनों पर निर्धारित किए गए हैं।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करें और सुगम यात्रा सुनिश्चित करें।

मकान पर पलटा ट्रक, आग ताप रही मां-बेटी की मौत

शिवपुरी में हादसे में दो लोग घायल, आईटीबीपी जवानों ने किया रेस्क्यू

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी में लहसुन से भरा एक ट्रक बेकाबू होकर एक कच्चे मकान पर पलट गया। वहां ठंड से बचने के लिए आग ताप रहे घर के लोग ट्रक की चपेट में आ गए। जिससे दो की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए।

हादसा गुरुवार दोपहर करीब 4 बजे लुधावली बायपास पर हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही आईटीबीपी की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। जवानों ने ट्रक के नीचे दबे लोगों को निकाला। क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सीधा कर सड़क से हटाया गया। वहीं ट्रक के पलटने से घर पूरी तरह से जमींदोज हो गया।

मां-बेटी की मौत, ट्रक ड्राइवर भी घायल- जिस मकान पर ट्रक पलटा वह अमर आदिवासी नाम के शख्स का बताया जा रहा है। हादसे के वक्त उसकी पत्नी हरकंवर आदिवासी (35), बेटी सरोज (12), बेटी काजल (15) ठंड से बचने के लिए आग ताप रहे थे। तभी वहीं से गुजर रहा ट्रक बेकाबू होकर पलट गया।

इस हादसे में मां हरकुंअर और बेटी सरोज की दबकर मौत हो गई। जबकि नवल नाम का एक शख्स घायल हो गया। ट्रक चालक का नाम परजेश मुसलमान है। वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

तेज रफ्तार बाइकों में भिड़ंत, तीन युवकों की मौत

भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़े, दो दोस्त मेला घूमने आ रहे थे जबलपुर

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के तिलवारा थाना क्षेत्र के ग्राम घंसौर में आज सुबह करीब 11 बजे दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। जिसमें तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक बाइक पर सवार दो दोस्त मेला देखने के लिए जबलपुर के तिलवारा जा रहे थे। उसी दौरान, सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी टक्कर हो गई।

दोनों बाइकों की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद तीनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस (108) को सूचना दी। तिलवारा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कर तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए।

तिलवारा थाना क्षेत्र के ग्राम जोधपुर पड़ाव निवासी दो दोस्त, संदीप बरकड़े (21) और लक्ष्मण भवेदी (22), बाइक पर सवार होकर जबलपुर की ओर आ रहे थे। जब

उनकी बाइक ग्राम घंसौर के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही रंजीत (26) की बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए।

हादसे के समय मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत तिलवारा थाना पुलिस और एंबुलेंस (108) को सूचना दी। जानकारी के अनुसार, संदीप और लक्ष्मण घंसौर से जबलपुर की ओर जा रहे थे, जबकि सिवनी जिले के धूमा निवासी रंजीत अपने घर लौट रहा था। इस भीषण टक्कर में तीनों युवकों की मौत हो गई। हादसे के समय मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत तिलवारा थाना पुलिस, एंबुलेंस (108) को सूचना दी।

ग्राम जोधपुर निवासी राजेश मरावी ने बताया कि, आज दोपहर तिलवारा थाना पुलिस से सूचना मिली कि गांव के दो लड़कों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है और उनके शव मेडिकल कॉलेज में रखे गए हैं। जब मेडिकल कॉलेज पहुंचकर देखा, तो पता चला कि गांव के संदीप और लक्ष्मण की मौत हो चुकी है। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार धूमा निवासी युवक रंजीत की भी इसी दुर्घटना में जान चली गई। संदीप और लक्ष्मण अपने गांव से जबलपुर के तिलवारा मेले में घूमने जा रहे थे।

तिलवारा थाने में पदस्थ एएसआई ने बताया कि, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। दोपहर में पोस्टमॉर्टम के बाद तीनों शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला कि घटना के समय हाईवे पर घना कोहरा छाया हुआ था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

राइट क्लिक

क्या नया भवन कांग्रेस की सियासी तकदीर भी बदलेगा?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

दुनिया की सबसे पुरानी और अब तक सक्रिय आधा दर्जन पॉलिटिकल पार्टियों में से एक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अपने जन्म के 140 साल बाद खुद का भवन मिल गया। पार्टी का नया और स्थायी पता अब 9 ए कोटला रोड हो गया है। आजादी के पश्चात देश पर 60 साल तक राज करने वाली इस अनुभवी पार्टी को अपना दफ्तर बनाने में इतने साल क्यों लग गए, यह भी अपने आप में शोध का विषय है। कुछ लोगों का मानना है कि राजनीतिक पार्टियों का मुख्य ध्येय सत्ता में बने रहना, अपनी विचारधारा के अनुरूप सरकार चलाना और जन कल्याण के काम करते हैं न कि भवन खड़े करना। काम तो कहीं से भी किया जा सकता है। क्या और कैसे किया जा रहा है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। दूसरे शब्दों में कहें तो ज्यादातर सियासी पार्टियां संगठन को संस्थागत रूप देने में लापरवाह रहती हैं। उनका काम तदर्थवाद पर ही चलता रहता है। ऐसे में भवन खड़े करना या न करना बहुत मायने नहीं रखता। संस्थागत विकास के प्रति यह उदासीनता या विवशता अमूमन सत्ता गंवाने पर तो रहती ही हैं, सत्ता मिलने पर भी रहती है। यूं कुछ दूसरी पार्टियों ने समय रहते अपने भवन खड़े कर लिए हैं, लेकिन इस मामले में सबसे ज्यादा सजग भारतीय जनता पार्टी दिखती है, जिसने अपनी स्थापना के 38 साल बाद अगर इसमे पूर्ववर्ती जनसंघ को भी जोड़ लें तो 67 साल बाद देश की राजधानी में अपना आलीशान दफ्तर बना लिया था।

बेशक, राजनीतिक काम अपने स्वयं के दफ्तर से चले या किराए के मकान से, यह बात दीर्घकालिक लक्ष्य के लिहाज से भले गौण लगे, लेकिन पार्टी का स्वयं सुविधा सम्पन्न दफ्तर न केवल नेताओं बल्कि सम्बंधित पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी अलग तरह का आत्मविश्वास और आश्वस्ति प्रदान करता है, इसमें दो राय नहीं।

कांग्रेस के संदर्भ में यह बात और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इस देश की लगभग डेढ़ सौ साल से मुख्य धारा की पार्टी रही है और अब भी सबसे बड़ा विपक्षी दल है। दुनिया में ऐसी गिनी-चुनी पार्टियां ही हैं, जिनकी स्थापना 19वीं सदी की शुरूआत या उत्तरार्द्ध में हुई और वो अभी भी अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता कायम रखे हुए हैं। इनमें अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी व रिपब्लिकन पार्टी, ब्रिटेन की कंजरवेटिव और लिबरल पार्टी प्रमुख हैं। दुनिया के बाकी लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियों का गठन ज्यादातर 20वीं सदी की शुरूआत में हुआ। कुछ देशों में 19वीं सदी में दलीय लोकतंत्र की शुरूआत हुई भी तो वो पार्टियां अब राजनीतिक नक्शों से गायब हैं।

अगर कांग्रेस की ही बात की जाए तो भारत में अंग्रेजों से आजादी के संघर्ष की मुख्य धारा रही है। वह स्वयं एक आंदोलन के रूप में जन्मी और स्वतंत्रता पाने तक केन्द्रीय भूमिका निभाती रही। कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को बंबई (अब मुंबई) में हुई थी। लेकिन तब से लेकर 15 अगस्त 1947 तक उसका अपना कोई स्थायी कार्यालय नहीं था। माना जाता है कि आजादी के पहले तक कांग्रेस का कामकाज इलाहाबाद स्थित आनंद भवन से चलता था, जो पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास था और बाद में उसे उनकी बेटी श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश को समर्पित कर दिया था। आनंद भवन से भी पहले कांग्रेस का काम अलग-अलग जगहों से संचालित होता रहा था। क्योंकि देश को आजाद कराना सबसे बड़ा लक्ष्य था। लेकिन अचरज की बात यह है कि स्वतंत्रता प्राप्ति और देश की सत्ता पर लंबे समय तक काबिज रहने के बाद भी कांग्रेस को नहीं लगा कि उसका अपना दफ्तरर भी होना चाहिए। जो जानकारी उपलब्ध है, उसके मुताबिक आजादी के बाद से लेकर अब नया भवन बनने तक कांग्रेस का दफ्तर पांच जगहों पर चला। इस बीच देश ने कांग्रेस के 6 प्रधानमंत्री देखे। आनंद भवन के बाद कांग्रेस कार्यालय दिल्ली के 7 जंतर-मंतर से चला, जो 1969 तक कांग्रेस के पहले विभाजन तक रहा। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय विंडसर प्लेस में शिफ्ट हुआ, जो तत्कालीन कांग्रेस नेता एम.वी. कृष्णा का निवास था। 1971 में कांग्रेस का दफ्तर वहां से हटकर 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पहुंचा। 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद 1978 में कांग्रेस कार्यालय 24 अकबर रोड शिफ्ट हुआ, जो नया भवन उद्घाटित होने के पहले तक कायम था। यह कांग्रेस सांसद जी वेंकटासामी का निवास था, जो विभाजन में इंदिराजी के साथ आ गए थे। तब इंदिरा गांधी अपने 20 समर्थकों के साथ इस नए दफ्तर में दाखिल हुई थीं, जबकि पार्टी के 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर कांग्रेस के मोरारजी देसाई गुट ने कब्जा कर लिया था। बताया जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 1985 में (कांग्रेस स्थापना का शताब्दी वर्ष) में दिल्ली में 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर पार्टी का एक आधुनिक भवन बनाना चाहते थे। इसके लिए कांग्रेस सांसदों को एक माह का वेतन देने के लिए भी कहा गया। लेकिन 1991 में राजीव गांधी की हत्या ने सब कुछ बदल दिया। बाद में यूपीए 2 राज में केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय नए नियमों के तहत कांग्रेस को भवन बनाने के लिए चार एकड़ का प्लॉट आवंटित किया। उसी समय भाजपा को भी मुख्यालय भवन बनाने के लिए जमीन आवंटित की गई थी।

कांग्रेस के नए भवन का शिलान्यास भी 2013 में तब हुआ, तब देश की सियासी तासीर बदल रही थी। अगले आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बुरी तरह बेदखल हो गई। लेकिन विपक्ष में रहते हुए भी पार्टी 12 साल में अपना भवन बना सकी। अगर इसकी तुलना भाजपा से करें तो उसने केन्द्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनते ही पहला काम अपना भवन बनाने का किया। 6 दीनदयाल मार्ग स्थित यह भवन 14 माह में बनकर तैयार हुआ। इसे किसी व्यक्ति के बजाए भारतीय जनता पार्टी भवन ही नाम दिया गया है। हालांकि इसकी लागत कितनी है, यह साफ नहीं है, लेकिन कांग्रेस कमलनाथ ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने मुख्यालय के निर्माण पर 700 करोड़ रू. खर्च किए। जबकि कांग्रेस के नए मुख्यालय पर 292 करोड़ रू. खर्च होना बताया गया है।

मगर देर आयद, दुरूस्त आयद। कांग्रेस का अपना नया भवन बनकर उद्घाटित हो चुका है। लेकिन बवाल यहां भी पीछा नहीं छोड़ रहा। नए भवन को 'इंदिरा भवन' नाम दिया गया है। इस पर भी कई लोगों को ऐतराज है। कहा जा रहा है कि पार्टी कम से कम नामकरण के मामले में तो किसी गैर गांधी को श्रेय दे सकती थी। क्योंकि इस भवन को बनाने में इंदिराजी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए भी क्योंकि पार्टी इन दिनों अंबेडकर के अपमान और संविधान बचाने का आंदोलन छेड़े हुए है। जबकि भाजपा स्व. इंदिराजी पर संविधान के अपमान और उसे बदलने का आरोप लगाती रही है। पार्टी चाहती तो नए भवन का नामकरण कांग्रेस भवन भी कर सकती थी, जिसमें कांग्रेस को बनाने में योगदान देने वाले सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का समावेश हो जाता।

किसी राजनीतिक पार्टी का मुख्यालय कब बनता है या नहीं बनता है, इस सवाल को गौण माने तो भी यह प्रश्न बहुत मौजू है कि क्या नया भवन और पार्टी मुख्यालय कांग्रेस का सियासी भविष्य बदलेगा या नहीं? 2024 के आम चुनावों ने कांग्रेस के लिए थोड़ी उम्मीद जगाई थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में वह धूमिल होती दिखी। पार्टी को स्थायी पता जरूर मिल गया है कि आने वाले वक्त में जनसमर्थन का ग्राफ कितना उछलेगा या और नीचे जाएगा, इसका पता खुद पार्टी नेताओं को भी नहीं है। 24 अकबर रोड पर कार्यालय शिफ्ट करते वक्त श्रीमती इंदिरा गांधी ने कहा था कि मैंने एक नहीं, दो दो बार पार्टी को शून्य से खड़ा किया है। मेरा मानना है कि कांग्रेस का नया मुख्यालय आने वाले दशकों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार करता रहेगा। क्या कांग्रेस के नए भवन के उद्घाटन समारोह में राहुल गांधी के संबोधन के बाद वैसा ही माहौल बन सकेगा कि कांग्रेस पहले जैसी निर्णायक स्थिति आ जाए या फिर वह अपने अस्तित्व के अंतिम चरण में जा पहुंचेगी, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा। लेकिन यह पार्टी के अपने चश्मे की बात है। हालांकि किसी वास्तु का भी अपना महत्व होता है। नई वास्तु राजनीतिक लाभ का चौघड़िया लेकर आएगी या नहीं, कहना मुश्किल है।

॥ मंदिरम् ॥

14

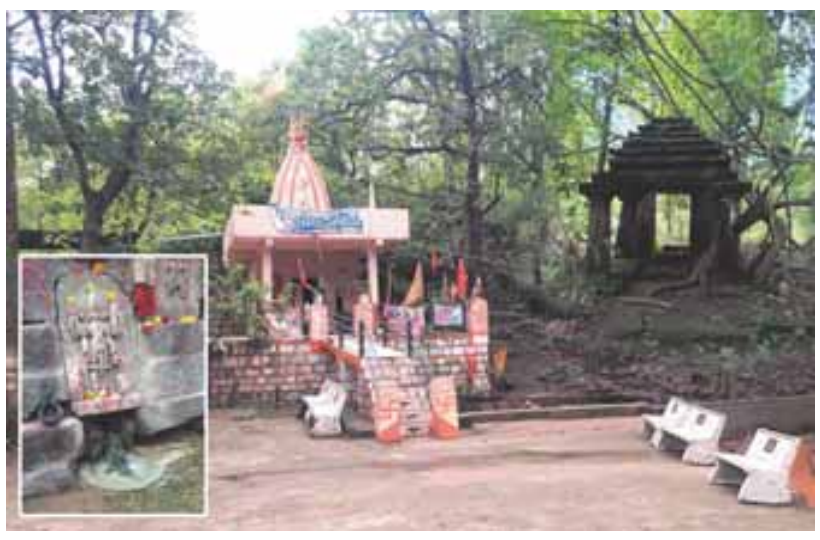

बाबा ईश्वर मंदिर, अलीराजपुर

अलीराजपुर (मध्यप्रदेश) में है पांडव कालीन चमत्कारिक मंदिर, प्रकृति खुद करती है शिव अभिषेक। अलीराजपुर से 22 किलोमीटर दूर सौरवा कालीबेल मार्ग पर घने जंगलों में स्थित बाबा ईश्वर मंदिर जिले का प्राकृतिक पर्यटन और धार्मिक स्थल है। जहाँ हर वर्ष महाशिवरात्रि पर भक्तों का तांता लगता है। बताया जाता है कि ये मंदिर पांडव कालीन है जहाँ पर मंदिर के पास बने कुंड से सतत् जल धारा प्रवाहित होती है ओर ये जल धारा शिवलिंग पर अनवरत जलाभिषेक करती है। इस प्राकृतिक जलधारा पर मौसम का कोई प्रभाव नहीं होता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस जल के सेवन से असाध्य रोग भी दूर हो जाते है। इस मंदिर की एक और खासियत है कि यहां कल कल करता झरना अविरल गति से बहता रहता है। वहीं पांडव कालीन अवशेष से भी आप रूबरू होते हैं।

साइबर फ्रॉड के चंगुल में फंसकर जान गंवाने वाली लेडी टीचर के मामले में नया मोड़ आया

लेडी टीचर से एमएससी टॉपर सहेली ने भी किया फ्रॉड

सोने का लॉकेट रखकर फर्जी स्क्रीनशॉट भेजा था, पुलिस ने भेजा जेल

मऊगंज (एजेंसी)। मऊगंज में 6 जनवरी को साइबर फ्रॉड के चंगुल में फंसकर जान गंवाने वाली लेडी टीचर के मामले में नया मोड़ आया है। पुलिस ने लेडी टीचर रेशमा पांडे की 22 वर्षीय सहेली आंचल तिवारी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को उसे जेल भेज दिया। उसने भी लेडी टीचर को ठगा था।

दरअसल, लेडी टीचर ने उसे क्यूआर कोड देकर 5500 रुपए ठगों के अकाउंट में डालने के लिए कहा था। इसके एवज में सोने का लॉकेट दिया था। आंचल ने रुपए तो नहीं भेजे, लेकिन रुपए भेजने का फर्जी स्क्रीनशॉट उसे दे दिया और लॉकेट अपने पास रख लिया। जब रुपए नहीं पहुंचे तो ठगों ने 5 जनवरी को रेशमा को पुलिस से गिरफ्तार करवाने की धमकी भरे कई वीडियो भेजे। घबराकर टीचर ने जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने आंचल से लॉकेट बरामद कर लिया है।

8 जनवरी को पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से दो सगे भाई हैं। इन्होंने पुलिस को एक और आरोपी का नाम बताया है।

लेडी टीचर ने कर लिया था सुसाइड- मऊगंज में साइबर जालसाजों से परेशान होकर 6 जनवरी को रेशमा ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया था। रेशमा को बदमाशों ने पुराने सिक्के बेचने के बदले एक करोड़ 75 लाख रुपए देने का झांसा दिया था। रेशमा ने 22 हजार रुपए जमा किए। जब और पैसा देने से मना किया तो आरोपियों ने जेल भेजने की धमकी दी थी। इस मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपी साहिल खान (22), मुनफेद खान (20) और फरदीन खान (25) को राजस्थान में अलवर (रामगढ़) से गिरफ्तार किया था। मुनफेद और फरदीन भाई हैं। आरोपी आंचल तिवारी को बुधवार को पुलिस ने रीवा की जेल भेज दिया।

आंचल तिवारी, आरोपी — रेशमा पांडे, मृतक

एसपी रसना ठाकुर के मुताबिक, पुलिस की पूछताछ में आंचल तिवारी ने यह बताया...मैं मऊगंज न्यू आदर्श पब्लिक स्कूल में टीचर हूं। रेशमा की बेटी नारायणी उर्फ महक और बेटे शिवेश उर्फ कान्हा को ट्यूशन पढ़ाती थी। इस दौरान रेशमा से जान पहचान बढ़ गई। मैं उन्हें भाभी बोलती थीं। हालांकि सालभर से ट्यूशन नहीं पढ़ा रही थी, लेकिन भाभी रेशमा से अकसर फोन पर बात होती थी। उनके घर भी आना-जाना रहता था। रेशमा के भेजे स्कैनर पर 2 जनवरी, 3 जनवरी और 4 जनवरी को दोस्त अरविंद सिंह परिहार उर्फ छोटू सिंह से रुपए भिजवाए थे।

मैंने रेशमा को बताया था कि भाभी ये फ्रॉड नंबर है। 5 जनवरी को फिर भाभी के पास फोन आया, जिसमें पैसे डालने की बात की गई, लेकिन भाभी के पास पैसे नहीं थे। उन्होंने अपने गले का लॉकेट मुझे बेचने को कहा। मैंने उसकी कीमत 11 हजार रुपए बताई। इस पर भाभी ने एक स्कैनर देते हुए मुझे 5500 रुपए भेजने को कहा। मैंने उसी दिन एक ट्रांजैक्शन एडिट कर रुपए भेजने का फर्जी स्क्रीनशॉट ले लिया। बाकी के रुपए भाभी के कहने पर उनके बच्चे शिवेश उर्फ कान्हा को दे दिए।

बाद में फर्जी स्कैनर अपने मोबाइल से डिलीट कर दिया। इस दौरान साइबर ठगों के फोन आते गए, तब भाभी ने जहर खा लिया। जब मुझे इसकी जानकारी लगी तो उनकी बेटी नारायणी के सामने ही रेशमा भाभी के मोबाइल से फर्जी 5500 रुपए का स्क्रीनशॉट डिलीट कर दिया। रात में पता चला कि उनकी मौत हो गई। (पुलिस ने 14 जनवरी को आंचल को पूछताछ के लिए बुलाया। उसने गुनाह कबूल कर लिया।)

पहले पूछताछ में कुछ नहीं बताया- पुलिस का कहना है कि घटना वाले दिन से लेकर 13 जनवरी तक आंचल से कई बार पूछताछ की गई, लेकिन उसने घटना के बारे में कुछ नहीं बताया। उसने सिर्फ मदद करने की बात कही। तीनों आरोपियों के पकड़े जाने के दौरान परिवार वालों ने आंचल पर भी आरोप लगाया था। इसके बाद सख्ती से पूछताछ की गई।

एमएससी टॉपर है आंचल - पुलिस के मुताबिक, वॉर्ड नंबर 12 में रहने वाली आंचल तिवारी एमएससी टॉपर है। वह निजी स्कूल में प्राइवेट टीचर है। आंचल ने ही रेशमा को मोबाइल चलाना सिखाया था। पुलिस का कहना है कि रेशमा आंचल पर अंधा विश्वास करती थी। आंचल ने इसी का फायदा उठाया।

26 जनवरी से पहले भोपाल आ सकते हैं शाह

महू में कांग्रेस की रैली से पहले शहरों में प्रबुद्ध जन सम्मेलन कराएगी बीजेपी

भोपाल (नप्र)। संसद में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भीमराव अंबेडकर पर दिए गए बयान के विरोध में कांग्रेस 27 जनवरी को महू में जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली निकालने जा रही है। इस रैली के पहले बीजेपी भी मप्र के बड़े शहरों में संविधान को लेकर सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी कर रही है।

गणतंत्र दिवस के पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भोपाल आ सकते हैं। एमपी बीजेपी 25 जनवरी को भोपाल में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी में हैं। हालांकि, अभी बीजेपी के केन्द्रीय नेतृत्व की ओर से सम्मेलन की तारीख तय नहीं की गई है।

संविधान और बाबा साहब के मुद्दे पर एमपी में बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने

महू स्थित भीमराव अंबेडकर जन्मस्थली पर जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली के बाद कांग्रेस की यात्रा देश के गांव-गांव तक जाएगी। कांग्रेस अमित शाह के बयान को अंबेडकर विरोधी मानसिकता बताते हुए उनके गृह मंत्री के पद से इस्तीफे की मांग पर अड़ी है।

सीएम बोले- राहुल गांधी ने देश विरोधी मानसिकता का परिचय दिया

राहुल ने कहा था- कांग्रेस की लड़ाई बीजेपी-आरएसएस के साथ इंडियन स्टेट से भी है

भोपाल (नप्र)। दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के मौके पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने पलटवार किया है। सीएम ने भोपाल में कहा, कांग्रेस जब देखो तब देशविरोधी तरीके से अपनी एक अलग पहचान बनाती है और राहुल गांधी इसके सिरमौर हैं।

उन्होंने कहा, अतीत में उनके नेताओं ने आतंकवादियों के लिए जिस सम्मानजनक ढंग से बयान दिए और देशविरोधी ताकतों के साथ खड़े होकर अपनी देशविरोधी मानसिकता का परिचय दिया, वह राहुल गांधी भूल गए हैं। वे भारतीय लोकतंत्र के दूसरे सबसे बड़े पद पर बैठे हैं।

जनता माफ नहीं करेगी, राहुल माफी मांगें- सीएम ने कहा, देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उन्हें अपने बयान पर खेद व्यक्त करना चाहिए और इसे वापस लेना चाहिए। मैं मानता हूं कि लोकतंत्र में नीतियों पर बोला जाए, लेकिन देशविरोधी मानसिकता को जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। मुझे विश्वास है कि राहुल गांधी को यह बात समझ आएगी और वे माफी मांगेंगे।

रेलवे चीफ कंट्रोलर हनी-ट्रैप केस के सभी आरोपी बरी

रेलवे अधिकारी निरपेंद्र बोले-उधारी नहीं चुकाने के लिए रचा षड्यंत्र, मानहानि का केस करूंगा

भोपाल (नप्र)। रेलवे के चीफ कंट्रोलर संजय कटारे ने 7 सितंबर 2023 को साथी चीफ कंट्रोलर निरपेंद्र सिंह गंगवार और महिला मित्र काजल परमार के खिलाफ ब्लैकमेलिंग की एफआईआर दर्ज कराई थी। भोपाल के गोविंदपुरा थाने में दर्ज एफआईआर में स्वयं को पीड़ित बताने वाला संजय कटारे पर अब निरपेंद्र मानहानि का का केस दर्ज कराने की तैयारी में हैं।

मामले में दोषमुक्त होने के बाद निरपेंद्र ने मीडिया से चर्चा में पूरी कहानी बताई। उन्होंने बताया कि एक लाख रुपए की उधारी न चुकाने के लिए पूरी साजिश रची गई थी। मुझे गलत फंसाया गया। केस के दौरान मेरे परिवार ने काफी कुछ झेला। मैं किसी से आंख नहीं मिला पाता था। कोर्ट ने तमाम आरोपों को मनगढंत माना है। 13 महीने बाद राहत की सांस ली है। पूरा परिवार तनाव में था। पत्नी के समझाने पर मैं शिकायत करने को राजी हुआ था। अब संजय के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराउंगा।

सोचा नहीं था दोस्त इतनी बड़ी साजिश करेगा

एफआईआर के बाद संजय कटारे ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा साथी, मेरा दोस्त इतनी बड़ी साजिश कर सकता है। चंद पैसों के लालच में उसने मुझे मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया था। इतना डिप्रेशन में आ चुका था कि कई बार आत्महत्या करने जैसे ख्याल दिल दिमाग में आने लगे थे। मैं निर्दोष था, बदनामी से डरता था। आरोपी परिवार वालों को भी मनगढंत कहानी सुनाकर रिश्तों में दरार डलवाने की धमकी देते थे।

बर्थडे पार्टी में बुलाकर ब्लैक मेलिंग का लगाया आरोप

संजय कटारे (52) रेलवे में चीफ कंट्रोलर हैं। वे भोपाल कंट्रोल रूम में पदस्थ हैं। उन्होंने पुलिस को बताया था कि 30 दिसंबर 2021 को उनके साथी चीफ कंट्रोलर निरपेंद्र ने उन्हें अपनी जन्मदिन पार्टी में बुलाया था। जब वह पार्टी में पहुंचे तो निरपेंद्र ने उनकी पहचान काजल परमार नाम की युवती से कराई। काजल एक एनजीओ में काम करती है।

इसके कुछ समय बाद निरपेंद्र और काजल ने उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। दोनों ने धमकाया कि रेप के झूठे केस में फंसाकर जेल भिजवा देंगे। नौकरी चली जाएगी और समाज में बदनामी भी होगी। डरा धमकाकर उनसे साढ़े पांच लाख रुपए वसूल लिए। यह सब करीब 13 महीने तक चला था। 6 सितंबर 2023 को एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

रोड, बिल्डिंग और पुल निर्माण में गुणवत्ता पर फोकस

सभी संभागों में इंजीनियर्स को दी जाएगी ट्रेनिंग, चीफ इंजीनियरों को मिला जिम्मा

भोपाल (नप्र)। कल प्रदेश के सभी संभागों में लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स के लिए सड़क, भवन और पुल निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण और परियोजना प्रबंधन विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की जा रही है। विभाग के मंत्री और अफसरों का मानना है कि इस प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, नियोजन और प्रबंधन को बेहतर बनाना है, जिससे लोक निर्माण विभाग की कार्य प्रणाली और अधिक प्रभावशाली बनेगी।

यह कार्यशाला विभाग के काम में पारदर्शिता लाने और पीडब्ल्यूडी इंजीनियर्स को प्रोडक्टिव तरीके से काम करने के लिए आयोजित की जा रही है। इस पहल के जरिए अभियंताओं के काम में कसावट की तैयारी की जा रही है। प्रशिक्षण का कार्य विभाग के चीफ इंजीनियर करेंगे, जिन्हें विभिन्न संभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए विभागीय इंजीनियर्स के नियमित प्रशिक्षण पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अभियंताओं की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी कार्य क्षमता में भी वृद्धि करेगा। मंत्री सिंह ने कहा कि एक विकसित प्रदेश से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। उनका समय-समय पर प्रशिक्षण कर उन्हें नवीन निर्माण तकनीकों और समसामयिक विषयों से प्रशिक्षित करना आवश्यक है। मंत्री सिंह ने यह भी कहा- पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर्स को गर्व होना चाहिए कि यह निर्माण हमने किया है। यह लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना को मूर्त रूप देने का सुनहरा अवसर है, जिसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा किया जाना चाहिए।